प्रसारित - आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद, अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा, मैनपुरी, बुलंदशहर, गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 10 अंक 48, 22 मार्च से 28 मार्च, 2026 | मूल्य- 10 रुपये । पृष्ठ 8 | WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी

अमेरिका-इजरायल ने की जबरदस्त बमबारी, रेडियोएक्टिव रिसाव की खबर नहीं

महाजंग की आग और भड़की, ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर बड़ा हमला

एजेंसी ▶▶| तेलअवीव-तेहरान

मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर चरम पर है। जारी युद्ध का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान के सबसे सुरक्षित और संवेदनशील माने जाने वाले नतांज परमाणु केंद्र पर अमेरिका-इजरायल ने शनिवार को भीषण हमला किया है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि अब तक किसी भी तरह के रेडियोधर्मी पदार्थ (रेडिएशन) के रिसाव की पुष्टि नहीं हुई है। इधर, ईरान ने भी हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं।

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के 22वें दिन अमेरिका-इजराइल ने बड़ा अटैक करते हुए ईरान के परमाणु केंद्र को निशाना बनाया। ईरानी मीडिया ने हमले की पुष्टि की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस हमले में अभी तक किसी भी तरह का रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव नहीं हुआ है। यानी, परमाणु कचरा फैलने जैसा जो सबसे बड़ा डर था, वह फिलहाल टल गया है। इस इलाके के आसपास रहने वाले लोगों को कोई खतरा नहीं है। इजराइल और अमेरिका ने इससे पहले 2 मार्च को भी इस प्लांट पर हमला किया

युद्ध के बीच मोदी ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

युद्ध के बीच शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति डॉ.मसूद पेजेश्कियन से टेलीफोन पर ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की है। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि ऐसी कार्यवाई क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालती है।

हिंद महासागर में अमेरिका ब्रिटेन के बेस पर ईरानी अटैक

ईरान ने शनिवार को हिंद महासागर में स्थित अमेरिका और ब्रिटेन के रणनीतिक सैन्य बेस 'डिएगो गार्सिया' पर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागी हैं। इस हमले के तुरंत बाद दुबई में भी एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव होने और जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी। हिंद महासागर में युद्ध का ये विस्तार 4 मार्च को अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा ईरानी युद्धपोत 'आईआरआईएस देना' को डुबाने के बाद हुआ है, जिसमें 85 से अधिक लोग मारे गए थे। वॉल स्ट्रीट जर्नल (डब्लूएसजे) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी क्षेत्र से लगभग 4,000 किलोमीटर दूर स्थित इस ठिकाने पर ये अब तक का सबसे बड़ा और दुर्लभ हमला है।

पुलिसकर्मियों का आरोपियों के फोटो-वीडियो अपलोड करना चिंताजनक

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मोबाइल से शूट वीडियो-फोटो को तुरंत सोशल मीडिया पर अपलोड करने के ट्रेंड पर कड़ी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा- इससे निष्पक्ष सुनवाई प्रभावित होती है और आरोपियों के खिलाफ पहले ही माहौल बन जाता है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने शुक्रवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इसमें कहा गया है कि पुलिस आरोपियों के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर डालकर लोगों के मन में पूर्वाग्रह पैदा कर रही है। याचिका हेमेंद्र पटेल ने दायर की है। याचिकाकर्ता ने कहा कि पुलिस आरोपियों की हथकड़ी लगी, रस्सियों से बंधी या अपमानजनक स्थिति वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रही है। इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचती है और जनता में पूर्वाग्रह बनता है। कोर्ट ने इस पर सहमति जताते हुए इसे गंभीर चिंता का विषय माना है। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले भी राज्यों को पुलिस मीडिया ब्रीफिंग के लिए गाइडलाइन बनाने को कहा जा चुका है, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट भी शामिल होंगे। आज हर मोबाइल फोन रखने वाला व्यक्ति खुद को मीडिया समझने लगा है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- यह स्थिति डिजिटल अरेस्ट जैसी बनती जा रही है। छोटे शहरों में लोग खुद को मीडियाकर्मी बताकर गाड़ियों पर स्टीकर लगाते हैं और इसका गलत इस्तेमाल करते हैं। सुनवाई में यह भी सामने आया कि कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट के स्टिकर लगाकर टोल टैक्स से बचने की कोशिश करते हैं। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जांच एजेंसी का काम निष्पक्ष रहना है वह न पीड़ित के पक्ष में होती है, न आरोपी के। सुनवाई के दौरान सहारा बनाव सेबी केस का जिक्र हुआ, जिसमें मीडिया ट्रायल के खतरे पर सुप्रीम कोर्ट पहले ही चिंता जता चुका है। कोर्ट ने कहा कि आज सोशल मीडिया के कारण यह खतरा और बढ़ गया है, जिससे कानून का राज प्रभावित हो सकता है।

एलपीजी संकट-राज्यों को 23 मार्च से 20% ज्यादा गैस मिलेगी

नई दिल्ली

केंद्र ने देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। 23 मार्च से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20% ज्यादा गैस दी जाएगी। इसके बाद राज्यों को मिलने वाली कुल सप्लाई संकट से पहले के स्तर (प्री-क्राइसिस लेवल) के 50% तक पहुंच जाएगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया कि सामुदायिक रसोई, रेस्टोरेंट, ढाबों, होटलों और इंडस्ट्रियल कैंटीन को प्राथमिकता दी जाए। साथ ही प्रवासी मजदूरों को प्राथमिकता से 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, गैस की कालाबाजारी या गलत इस्तेमाल रोकने के लिए कदम उठाने को भी कहा गया है। 'प्री-क्राइसिस लेवल' का मतलब उस समय से है जब देश में गैस संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम सप्लाई मिल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा (50%) किया गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस सप्लाई लगभग रुक गई है। यह अतिरिक्त 20% गैस खास सेक्टरों को प्राथमिकता देकर दी जाएगी। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई सबसे पहले रेस्टोरेंट, ढाबे, होटल और इंडस्ट्रियल कैंटीन को मिलेगी। सरकार का मकसद है कि खाने-पीने की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर किसी तरह का असर कम से कम पड़े। गैस की अतिरिक्त सप्लाई का फायदा फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा। इसके साथ ही, राज्य सरकार या स्थानीय निकायों द्वारा चलाए जा रहे सस्ती दर वाले कैंटीन और आउटलेट्स को भी इसमें शामिल किया गया है। सामुदायिक रसोई (कम्युनिटी किचन) को भी प्राथमिकता दी गई है, ताकि आम लोगों को आसानी से खाना मिलता रहे।

मथुरा में फरसा वाले बाबा की मौत पर बेकाबू बवाल

गौरक्षक ह्यफरसा वाले बाबाह्न की मौत पर बवाल, हाईवे जाम और पथराव; पुलिस ने बताया हादसा

हाईवे जाम, पथराव-फायरिंग, पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं; हत्या या हादसा—जांच के घेरे में पूरी घटना

एसएसपी बोले—घने कोहरे में हादसा, गोतस्करी की बात गलत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मथुरा। कोसीकलां थाना क्षेत्र में गौरक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा (45) की ट्रक की चपेट में आकर हुई मौत ने शनिवार को पूरे जनपद में भारी तनाव पैदा कर दिया।

तड़के हुए इस हादसे के बाद देखते ही देखते मामला उग्र विरोध में बदल गया। हजारों की भीड़ ने दिल्ली-मथुरा नेशनल हाईवे (एनएच-19) पर शव रखकर जाम लगा दिया, पुलिस पर पथराव किया, कई गाड़ियों में तोड़फोड़ की और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को लाठीचार्ज, आंसू गैस और बल प्रयोग करना पड़ा। घटना ने न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि हादसा बनाम हत्या की बहस को भी जन्म दे दिया है।

तड़के 3 से 4 बजे के बीच हुई घटना—एसएसपी ने दी पूरी जानकारी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा श्लोक कुमार ने पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत बयान जारी करते हुए बताया कि यह घटना 21 मार्च 2026 की रात करीब 3:00 से 4:00 बजे के बीच थाना कोसी क्षेत्र में हुई। उनके अनुसार, चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा ने एक वाहन को संदिग्ध मानकर रोका था। उसी समय घने कोहरे के कारण पीछे से आ रहे राजस्थान नंबर के एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एसएसपी ने बताया कि जिस कंटेनर को बाबा ने रोका था, उसमें किराने का सामान साबुन, फिनाइल, शैंपू आदि भरा हुआ था, जबकि पीछे से टक्कर मारने वाले ट्रक में लोहे के तार लदे हुए थे। ट्रक चालक और परिचालक दोनों अलवर (राजस्थान) के निवासी हैं। हादसे में ट्रक क्षतिग्रस्त हुआ और चालक घायल हो गया, जिसका उपचार चल रहा है। उन्होंने दो टूक कहा कि पूरे प्रकरण में गोतस्करी की कोई पुष्टि नहीं हुई है। मौत की खबर से भड़का जनाक्रोश, हाईवे पर लगा कई किलोमीटर लंबा जाम घटना की खबर इलाके में आग की तरह फैल गई। सुबह होते-होते हजारों की संख्या में लोग छाता क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गए। आक्रोशित भीड़ ने बाबा का शव सड़क पर रखकर जाम लगा दिया और आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगी। करीब 8 से 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे आगरा-दिल्ली मार्ग पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। एंबुलेंस, बसें और निजी वाहन घंटों फंसे रहे। आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस पर पथराव, गाड़ियों में तोड़फोड़—मौके पर बेकाबू हालात

जाम खुलवाने पहुंची पुलिस को उग्र भीड़ का सामना करना पड़ा। कुछ ही देर में हालात हिंसक हो गए और भीड़ ने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। उपद्रवियों ने 5 से 6 पुलिस वाहनों को निशाना बनाते हुए उनके शीशे तोड़ दिए और गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ स्थानों पर फायरिंग जैसी आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे दहशत और बढ़ गई। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण से बाहर होती देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। काफी मशक्कत के बाद भीड़ को तितर-बितर कर हालात पर काबू पाया जा सका।

गांव में शव रखकर पंचायत, 6 मांगों पर अड़े ग्रामीण

बवाल के बाद लोग बाबा का शव लेकर बरसाना क्षेत्र के आजनौंख गांव स्थित गौशाला पहुंचे। वहां अंतिम दर्शन के लिए शव रखा गया और पंचायत बुलाई गई। ग्रामीणों और समर्थकों ने प्रशासन के सामने 6 प्रमुख मांगें रखीं—बाबा को शहीद का दर्जा दिया जाए, उनके नाम पर स्मारक बनाया जाए, क्षेत्र में स्थायी पुलिस चौकी स्थापित की जाए, कुछ विश्वसनीय लोगों को शस्त्र लाइसेंस दिए जाएं, गौशाला को सरकारी संरक्षण में लिया जाए और बवाल के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों पर कार्रवाई न की जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर निर्णय नहीं होगा, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ लंबी वार्ता की और कई मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया। डीएम ने गौशाला को हर संभव सहायता देने और बाबा के अंतिम संस्कार स्थल पर स्मारक बनाने पर विचार का भरोसा दिया। एसएसपी ने क्षेत्र में पुलिस चौकी स्थापित करने और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन के आश्वासन को स्वीकार किया और बाबा का अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए।

उपद्रवियों की पहचान, कानूनी कार्रवाई शुरू

एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि जाम और पथराव में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है। वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

हादसा या साजिश—जांच के बाद ही खुलेगा राज

हालांकि पुलिस ने इसे स्पष्ट रूप से सड़क हादसा बताया है, लेकिन बाबा के समर्थक इसे सुनियोजित हत्या मानते हुए कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ऐसे में अब पूरे मामले की सच्चाई पुलिस जांच और साक्ष्यों के आधार पर ही सामने आएगी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है और प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, ताकि दोबारा कोई अप्रिय घटना न हो।

'प्रतिबंध की सिफारिश भारत विरोधी एजेंडा'

275 पूर्व जज-अफसर अमेरिका से आई रिपोर्ट पर भड़के

नई दिल्ली

कुल 275 पूर्व न्यायाधीशों, लोक सेवकों और सशस्त्र बलों के पूर्व अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) की हालिया रिपोर्ट की आलोचना की। इस रिपोर्ट में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंधन लगाने की सिफारिश की गई थी। उन्होंने इस रिपोर्ट को 'पूरी तरह प्रेरित' बताया और कहा कि यह 'बौद्धिक दिवालियापन और विकृत सोच' को दर्शाती है। उन्होंने शनिवार को जारी इस संयुक्त बयान में अमेरिकी सरकार से आग्रह किया कि वह यूएससीआईआरएफ की इस पूर्वाग्रह से भरी रिपोर्ट के सभी योगदानकताओं की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच कराए। उन्होंने आरोप लगाया, कुछ निहित स्वार्थ भारत के लोगों के साथ उनके संबंध खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। संयुक्त बयान में कहा गया, 'संपत्तियों को जब्त करने, यूएससीआईआरएफ की भारतीय नागरिकों की आवाजाही को सीमित करने और आरएसएस से जुड़े लोगों पर पाबंदी लगाने जैसी सिफारिशें पूरी तरह प्रेरित हैं। ये सिफारिशें बौद्धिक दिवालियापन और विकृत मानसिकता को दर्शाती हैं।' उन्होंने कहा, 'यूएससीआईआरएफ के सभी छह आयुक्त अमेरिकी सरकार नियुक्त करती है और अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के जरिये से अमेरिकी करदाताओं के पैसे से वित्तपोषित होते हैं। हम अमेरिकी सरकार से आग्रह करते हैं कि इस रिपोर्ट के योगदानकताओं की पृष्ठभूमि की सख्त जांच कराई जाए।' उन्होंने आगे कहा, इससे अमेरिकी करदाताओं को यह समझने में मदद मिलेगी कि उनके पैसे का इस्तेमाल ऐसी पूर्वाग्रह से भरी हुई और बेबुनियाद रिपोर्ट बनाने में किया जा रहा है, जिसका मकसद कुछ भारत-विरोधी छिपे हुए एजेंडा को आगे बढ़ाना है। बयान में यह भी कहा गया, यूएससीआईआरएफ कई बार भारतीय संस्थानों और आरएसएस जैसे सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों को बिना पर्याप्त संदर्भ के नकारात्मक रूप से पेश करता है। इसमें कहा गया, यह प्रवृत्ति विश्लेषण में संतुलन की कमी को दर्शाती है। आरएसएस की जमीनी स्तर पर मजबूत मौजूदगी और समाज सेवा व राष्ट्र निर्माण में योगदान को देखते हुए आलोचना हो सकती है। लेकिन यह ठोस सबूत और सही संदर्भ पर आधारित होनी चाहिए, न अनुमानों के आधार पर लगाए आरोपों पर।

बीजेपी लगाएगी हैट्रिक, कोई भी ताकत सत्ता में आने से नहीं रोक सकती: रक्षा मंत्री

देहरादून

पंतनगर एयरपोर्ट पर गुलाब के फूलों के गुलदस्ते से केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्वागत करते हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चेहरे पर खिली मंद-मंद मुस्कान में उनका आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। सभा खत्म होने पर राजनाथ सिंह ने भी धामी को निराश नहीं किया और भरी सभा में उनकी तारीफों के पुल बांधे। मौका था प्रदेश में बीजेपी सरकार के दूसरे कार्यकाल के चार साल पूरा होने का। इस उपलक्ष्य पर हल्द्वानी में एक जनसभा आयोजित की गई थी। इस सभा में उमड़ी भीड़ से गदगद राजनाथ सिंह पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल में किए गए कामों की चर्चा किए बिना नहीं रहे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि पुष्कर सिंह धामी के उत्तराखंड की कमान संभालने के बाद ही विकास की बयार तेज हुई है। हल्द्वानी को कुमाऊं का प्रवेश द्वार बताते हुए उन्होंने कहा कि जबसे धामी ने प्रदेश का नेतृत्व संभाला है राज्य के बुनियादी ढांचे का तेजी से विकास हुआ, पर्यटन के क्षेत्र में प्रदेश को नई पहचान मिली और राज्य में स्वरोजगार के अवसर बढ़ें। उन्होंने उत्तराखंड के विकास को अन्य राज्यों के लिए प्रेरणादायी बताया। पुरानी कहावत का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि 'पहाड़ की जवानी और पहाड़ के पानी ,पहाड़ और देश-दोनों के काम आना चाहिए'। उपलब्धियों का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य ने अन्य राज्यों के सामने एक आदर्श राज्य के रूप में खुद को प्रस्तुत किया है। राज्य में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। चुनावी साल के करीब होने का मौका भी राजनाथ सिंह नहीं चूकना चाहते थे। लगे हाथ उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कोई भी ताकत सत्ता में आने से नहीं रोक सकती। इतना ही नहीं जाते-जाते विरोधी पार्टियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए। कांग्रेस की कार्यशैली को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में जनता को निराशा ही मिली। इसी का नतीजा रहा कि जनता ने उन्हें सत्ता से ही नकार दिया। अब जब कांग्रेस चुनाव नहीं जीत पाती है तो चुनाव आयोग और ईवीएम का बहाना लगाने लगती है। उन्होंने कार्यकताओं को भरोसा दिलाया कि अगले विधानसभा चुनाव में भी प्रदेश में बीजेपी ही सरकार बनाएगी।

सिक्किम के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन का खतरा, प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

गंगटोक

सिक्किम के गंगटोक और पाक्योंग जिलों के ऊंचाई वाले क्षेत्रों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, अगले 24 घंटों में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन होने की संभावना है।

एडवाइजरी में कहा गया कि क्षेत्र में बदलते मौसम के कारण बर्फ अस्थिर हो सकती है, जिससे हिमस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। लोगों को आधिकारिक सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, हिमालयी राज्य के ज्यादातर हिस्सों में शुक्रवार सुबह से भारी बारिश हो रही है।

सम्पादकीय

तेल और गैस ठिकानों पर हमलों से दुनिया में ऊर्जा संकट का खतरा

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर इसका स्वरूप और बिगड़ता गया, तो आने वाले दिनों में संकट का दायरा ज्यादा व्यापक और गंभीर हो सकता है। सच यह है कि इजराइल और अमेरिका के ईरान पर साझा हमले के बाद अब युद्ध ने जो रुख अख्तियार कर लिया है, उसमें शांति की उम्मीद फिलहाल धुंधली लग रही है। हमले के क्रम में जिस तरह स्कूली बच्चों और आम लोगों तक की फिक्र नहीं की गई, उसे लेकर पहले ही अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन के कई सवाल उठे हैं। अब हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हमलों का निशाना अब दोनों पक्षों के तेल और गैस के वे ठिकाने बन रहे हैं, जिसका वैश्विक स्तर पर गंभीर असर पड़ेगा। खासतौर पर युद्ध के आगे बढ़ने के साथ-साथ खाड़ी के कई देशों में हालात बेहद जटिल होते जा रहे हैं। गौरतलब है कि इजराइल ने बुधवार को ईरान में स्थित दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस सुविधा केंद्र पर हमला किया। इसके जवाब में ईरान ने गुरुवार को कतर के रास लाफान के ठिकाने को निशाना बनाया, जो वहां मुख्य तरल प्राकृतिक गैस को तैयार करने वाला मुख्य केंद्र है। ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की आपूर्ति पहले ही कई स्तरों पर बाधित है और इसका स्वाभाविक असर इसकी कीमतों पर पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों के भीतर कच्चे तेल के दाम में तेज बढ़ोतरी और वैश्विक स्तर पर कमजोरी के रुख से शेयर बाजार में गुरुवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एक ओर, बीएसई सूचकांक में करीब 2500 अंक की बड़ी गिरावट हुई, वहीं एनएसई निफ्टी 775 अंक लुढ़क गया। जून, 2024 के बाद इसे सूचकांक में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट बताया गया है। इस तरह की स्थिति को कई बार अन्य कारकों से भी जोड़ा जाता है, लेकिन इस बार वैश्विक स्तर पर तस्वीर लगभग साफ है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच अब ऊर्जा के बुनियादी ढांचों या तेल एवं गैस संयंत्रों पर हमलों में तेजी के बाद कच्चे तेल के दाम में काफी उछाल आया है। इसका एक स्वाभाविक असर निवेशकों की धारणा पर पड़ा है, जिनके भीतर मौजूदा उथल-पुथल को लेकर एक तरह का असुरक्षाबोध पैदा हुआ है। दरअसल, जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को रोका है, उसके बाद दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति भी बाधित हुई है। भारत जैसे कई देश इससे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं और तेल तथा गैस के लिए वैकल्पिक स्रोतों की ओर देख रहे हैं। इस क्रम में भारत ने रूस से तेल खरीद बढ़ाई है। मगर अब पश्चिम एशिया के युद्ध में शामिल दोनों पक्षों की ओर से जिस तरह प्राकृतिक गैस का उत्पादन करने वाले केंद्रों और ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है, उससे संकट और ज्यादा गहराने की आशंका खड़ी हो रही है। जैसे-जैसे हमलों का स्वरूप जटिल होता जा रहा है, तेल और गैस की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। खासतौर पर कतर के रास लाफान पर हमले के बाद भारत को होने वाली प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है। जाहिर है, भारत को अब प्राकृतिक गैस की जरूरत के लिए आस्ट्रेलिया और रूस जैसे अन्य देशों की ओर देखना पड़ सकता है। मगर सबसे ज्यादा जरूरी यह है कि अब प्राकृतिक गैस के रणनीतिक भंडारण के विकल्प को ठोस आकार देना होगा।

सुशील कुमार सिंह प्रधान संपादक

धर्मक्रांति का विलक्षण प्रयोग है योगक्षेम वर्ष

ललित गर्ग

> जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है।

आज का युग विज्ञान, तकनीक और भौतिक प्रगति का युग माना जाता है, लेकिन इसी के साथ यह युग तनाव, असंतोष, हिंसा, युद्ध और मानसिक अशांति का भी युग बन गया है। मनुष्य ने बाहर की दुनिया को जीत लिया, लेकिन अपने भीतर की दुनिया को जीत नहीं पाया। उसने साधन बना लिये, लेकिन साधना भूल गया; उसने सुविधा पा ली, लेकिन शांति खो दी। ऐसे समय में यदि कोई आध्यात्मिक आंदोलन मनुष्य को अपने भीतर की ओर लौटने का मार्ग दिखाता है, तो वह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि धर्म क्रांति का आधार बन जाता है। इसी संदर्भ में जैन धर्म एवं दर्शन की तप, त्याग, साधना और अहिंसा की महान परंपरा में एवं महान संत आचार्य श्री महाश्रमण के सान्निध्य में मनाया जा रहा योगक्षेम वर्ष वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार बनता दिखाई देता है। भारत की धरती पर यह एक ऐसा वर्ष मनाया जा रहा है, जो न संयुक्तराष्ट्र संघ द्वारा घोषित है न किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रेरित है और न किसी महान पुरुष की स्मृति से जुड़ा हुआ है, इस वर्ष को मनाने का उद्देश्य है सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण।

मेरी दो दिन की लाडनूं यात्रा एवं योगक्षेम वर्ष में सहभागिता का सार है कि योगक्षेम वर्ष एक बार फिर धर्मसंघ के अभ्युदय का स्वर्णिम अवसर बन रहा है। जिसका उद्देश्य है अप्राप्त की प्राप्ति एवं प्राप्त का संरक्षण। यह अवसर दृष्टि एवं सोच में बदलाव का माध्यम होगा। जो ज्ञान, दर्शन और चारित्र की साधना में गति प्रदान करेगा। अनेक नवीन एवं पुरातन विषयों का तलस्पर्शी ज्ञान, जिससे वक्तृत्व में गंभीरता आएगी। आधुनिक दुनिया में धर्म को विशेषतः जैन धर्म को युगानुरूप प्रस्तुति देने का यह माध्यम बनेगा। योगक्षेम वर्ष के साथ विकास के तीन अर्थ हैं- आगे बढ़ना, रूकना और पीछे मुड़कर देखना। आगे बढ़ना यानी दुनिया के नवीनतम धर्म दर्शनों को आत्मसात करना। रूकना यानी अपनी विरासत को खगोलना। पीछे मुड़कर देखना यानी अपनी परम्परा और दर्शन को जीवंत करना। निश्चित तौर पर जैन धर्म के महान तपस्वी, अनुशासनप्रिय, दूरदर्शी और तेजस्वी आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत संगम बनी जैन विश्व भारती में आज एक नया आध्यात्मिक इतिहास रचा जा रहा है, आध्यात्मिक प्रशिक्षण की एक नई परंपरा विकसित की जा रही है। यह वास्तव में जैन धर्म का एक अनूठा और संभवतः पहला

ऐसा व्यापक प्रयोग है, जिसमें वर्षभर तक साधु-साध्वियों के साथ-साथ श्रावक समाज को भी गहन एवं व्यवस्थित रूप से जैन एवं तेरापंथ दर्शन, अध्यात्म, योग, ध्यान, स्वाध्याय, संयम और जीवन मूल्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जैन, बौद्ध और वैदिक तीनों ही परंपराओं में योगक्षेम शब्द प्रयुक्त हुआ है। यह विशेष अर्थवत्ता का संवाहक है। तेरापंथ धर्मसंघ ने इसे नया संदर्भ दिया है। प्रज्ञा या अन्तर्दृष्टि के जागरण से अनुबंधित किया है। योगक्षेम वर्ष का अर्थ भी अत्यंत गहरा और व्यापक है। योग का अर्थ केवल योगासन या शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मसंयम, ध्यान, साधना, तप, स्वाध्याय, अनुशासन और आत्मजागरण है। क्षेम का अर्थ है आत्मकल्याण, मानसिक शांति, संतुलन, सुरक्षा और आध्यात्मिक उन्नति। इस प्रकार योगक्षेम वर्ष का उद्देश्य है-व्यक्ति के भीतर योग अर्थात आत्मसंयम और साधना का विकास हो तथा उसके जीवन में क्षेम अर्थात शांति, संतोष और आध्यात्मिक कल्याण स्थापित हो। जब व्यक्ति का जीवन संतुलित और शांत होगा, तभी समाज में शांति आएगी और जब समाज शांत होगा, तभी विश्व में शांति संभव होगी। आचार्य तुलसी के समय में भी साधना, योग और आध्यात्मिक जागरण से जुड़े इस योगक्षेम वर्ष की विशेष आयोजना हुई थी। उस समय के प्रयोगों की सफलता और सार्थकता को देखते हुए अब उसी परंपरा को नए स्वरूप में पुनः प्रारंभ किया गया है। यह परंपरा और नवाचार का सुंदर समन्वय है, जहाँ पुरानी साधना परंपरा आधुनिक धर्म-समाज की आवश्यकताओं के अनुसार नए रूप में सामने आ रही है। यही जीवंत धर्म की पहचान है कि वह समय के साथ अपने स्वरूप को समाज के हित में विकसित करता रहे। आज विश्व जिस दौर से गुजर रहा है, वह अत्यंत चिंताजनक है। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, असहिष्णुता, मानसिक तनाव, अवसाद, पारिवारिक विघटन और पर्यावरण संकट जैसी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। विज्ञान और तकनीक इन समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं दे सकते, क्योंकि ये समस्याएँ बाहरी नहीं, बल्कि मनुष्य के मन से जुड़ी हुई हैं। जब तक मनुष्य के भीतर शांति नहीं होगी, तब तक बाहर शांति संभव नहीं है। इसलिए आज दुनिया को हथियारों से ज्यादा ध्यान की जरूरत है, प्रतिस्पर्धा से ज्यादा करुणा की जरूरत है, और भौतिकता से ज्यादा आध्यात्मिकता की जरूरत है। योगक्षेम वर्ष इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मनुष्य को अपने भीतर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करता है। योगक्षेम वर्ष के माध्यम से संदेश दिया जा रहा है कि धर्म केवल सुनने की चीज नहीं, बल्कि जीवन में धारण करने एवं जीवन को बदलने की चीज है; धर्म केवल मानने की चीज नहीं, बल्कि जीने की चीज है। यदि व्यक्ति अपने जीवन में थोड़ा संयम, थोड़ा ध्यान, थोड़ा स्वाध्याय, थोड़ा त्याग और थोड़ा प्रेम जोड़ ले, तो उसका जीवन स्वयं बदल सकता है। यही छोटा परिवर्तन आगे चलकर समाज में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। इसलिए योगक्षेम वर्ष वास्तव में व्यक्ति परिवर्तन से समाज परिवर्तन और समाज परिवर्तन से राष्ट्र एवं विश्व परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

योगक्षेम वर्ष के कार्यक्रमों को प्रज्ञापर्व नाम से अभिहित किया गया क्योंकि प्रज्ञा का जागरण इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था। पण्णा समिक्खए इस आगम सूक्त को प्रतीक के रूप में रखा गया। इस विलक्षण प्रयोग एवं प्रशिक्षण के पीछे पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण का लक्ष्य या संकल्प है-चतुर्विध धर्मसंघ के व्यक्तित्व का निर्माण करना, उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना, भावनात्मक विकास करना, स्वभाव-परिवर्तन की कला सिखाना और प्रायोगिक जीवन जीना सिखाना, एक वाक्य में कहा जाए तो आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण करना। पूरे वर्ष प्रशिक्षणार्थी को अनेक विषयों के ज्ञान के साथ योगासन, ध्यान, कायोत्सर्ग, जप, अनुप्रेक्षा, मंत्र साधना आदि के प्रयोग भी कराए जा रहे हैं। यदि मनुष्य अहिंसा को अपनाए, तो युद्ध समाप्त हो सकते हैं; यदि अनेकांत को अपनाए, तो विवाद समाप्त हो सकते हैं; यदि अपरिग्रह को अपनाए, तो आर्थिक और पर्यावरण संकट कम हो सकते हैं। इस प्रकार जैन धर्म का दर्शन केवल धार्मिक दर्शन नहीं, बल्कि विश्व शांति का दर्शन है, और योगक्षेम वर्ष उसी दर्शन को व्यवहार में उतारने का प्रयास है।

आचार्य श्री महाश्रमण की दूरदर्शी सोच, उनका अनुशासन, उनका साधना-प्रधान जीवन और समाज को आध्यात्मिक दिशा देने का उनका प्रयास वास्तव में अद्वितीय है। उन्होंने धर्म को केवल परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जीवन और समाज से जोड़ा। समय को बांधने की अद्भुत खूबी है उनमें। कम समय में अधिक काम। वह भी इतनी सहजता और निर्भरता से सम्पादित कर लेने की सामर्थ्य, उनकी कार्य व्यस्तता कभी व्यग्रता में नहीं बदलती। यह सब इसीलिए हो सकता है कि उनकी प्रत्येक प्रवृत्ति निवृत्ति से निथर कर आती है। उनकी क्रियाशीलता आंतरिक स्थिरता स्थितप्रज्ञता से अभिनिःसृत होती है। उन्होंने साधना को केवल साधु-साध्वियों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि श्रावक समाज तक पहुँचाने का प्रयास किया। योगक्षेम वर्ष उसी दूरदृष्टि और आध्यात्मिक सोच का परिणाम है, जो आने वाले समय में जैन धर्म ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। वास्तव में योगक्षेम वर्ष को जैन धर्म के इतिहास में एक स्वर्णिम दौर की शुरूआत के रूप में देखा जा सकता है। यह वर्ष साधना का वर्ष है, आत्मजागरण का वर्ष है, संयम का वर्ष है, चरित्र निर्माण का वर्ष है, और सबसे बढ़कर यह धर्म क्रांति का वर्ष है। यदि इस वर्ष का संदेश जन-जन तक पहुँचे, लोग योग, ध्यान, संयम, अहिंसा, शांति और प्रेम को अपने जीवन में अपनाएँ, तो समाज में एक नया परिवर्तन आ सकता है। तब धर्म केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में दिखाई देगा। साररूप में यही कहा जा सकता है कि योगक्षेम वर्ष केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक विचार है; केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक आंदोलन है; केवल एक वर्ष नहीं, बल्कि एक युग परिवर्तन की शुरूआत है। यह वास्तव में धर्म क्रांति के नए अध्याय का आधार है, जो मनुष्य को बाहर से भीतर की यात्रा की ओर ले जाने का प्रयास कर रहा है। आचार्य श्री महाश्रमण एवं साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभा के संचेतन पुरुषार्थ की सार्थकता इसी में है कि इनके मार्गदर्शन में हम प्रगति की महती मंजिलें तय करते हुए चैतन्य जागरण के नये आयाम में प्रवेश करें। यदि यह प्रयास सफल होता है, तो निश्चित रूप से आने वाला समय आध्यात्मिक जागरण, अहिंसा, शांति और प्रेम का समय होगा, और यही इस योगक्षेम वर्ष की सबसे बड़ी सार्थकता और सफलता होगी।

युद्धकाल का संकट, राजनीति और नागरिक कर्तव्य

मृत्युंजय दीक्षित

अमेरिका-इजराइयल और ईरान युद्ध को प्रारंभ हुए 15 दिन का समय व्यतीत हो चुका है और अभी भी युद्ध का दायरा बढ़ ही रहा है। खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध और आक्रामकता के कारण संपूर्ण विश्व में तेल और गैस की आपूर्ति बुरी तरह से प्रभावित हो रही है। अन्य आवश्यक उत्पादों के जहाजों की आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। विश्व के तमाम देशों की सरकारें एवं विपक्षी दल कदम से कडम मिलाकर तेल, गैस व ऊर्जा संकट, आर्थिक अनिश्चितता तथा कार्यालयों के पलायन के कारण उत्पन्न हो रहे संकट का सामना कर रहे हैं। सभी देशों में सत्तापक्ष व विपक्ष मिलजुल कर कर रहे हैं वहीं भारत में विपक्ष इस संकट का उपयोग अपने ही देश को नीचा दिखाने के लिए कर रहा है।

भारत में इस युद्ध तथा उससे उपजे वैश्विक संकट पर अलग ही राजनीति हो रही है। जब से युद्ध आरम्भ हुआ है भारत में लखनऊ से लेकर श्रीनगर और जम्मू कश्मीर के बडगाम जिले तक अमेरिका-इजराइल के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करने के लिए आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। विरोध प्रदर्शन कर रहे इन लोगों ने पहले कभी भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों निंदा तक नहीं की है। विपक्ष में बैठे राजनीतिक दल तथा उनके नेता इन प्रदर्शनों को हवा दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी की सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे आदि सरकार की विदेश नीति के खिलाफ अनवरत लेख लिख रहे हैं और किसी न किसी बहाने प्रधानमंत्री मोदी की छवि को नुकसान पहुंचाने के प्रयास कर रहे हैं। युद्धकाल के कारण पूरी दुनिया में आपूर्ति व्यवस्था बाधित हो जाने के कारण तेल, गैस व अन्य उत्पादों की कीमतों में वृद्धि हो रही है। चीन, जापान, कोरिया जैसे समृद्ध देश और पाकिस्तान, बांग्लादेश व श्रीलंका जैसे हमारे पड़ोसी देश पेट्रोल व डीजल की कीमतों में 10 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक की वृद्धि कर चुके हैं। कई देशों में महंगाई चरम सीमा पर पहुंच रही है पड़ोसी पाकिस्तान में तो लॉकडाउन जैसे हालात पैदा हो गए हैं जबकि भारत मे पेट्रोल व डीजल के दाम काफी स्थिर हैं। भारत में केवल घरेलू रसोई गैस के दामों में ही

60 रुपए की वृद्धि की गई है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युद्ध से पैदा हुए संकट पर स्वयं नजर रख रहे हैं। भारत के विदेश मंत्री तथा प्रधानमंत्री मोदी दुनियाभर के नेताओं के साथ संपर्क में हैं तथा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखने के लिए नए मार्ग ढूंढ रहे हैं। अभी तक भारत केवल 27 देशों से ही तेल व गैस की खरीदता था किंतु अब 40 देशों के साथ क्रय सम्बन्ध बनाए जा रहे हैं।

विडंबना है कि विपक्ष इस संकट का उपयोग राजनीति के लिए कर रहा है। विपक्षी दल के नेता, आईटी सेल तथा कार्यकर्ता अपने आकाओं की शह पाकर अफवाह बाज बनकर सड़क पर आ गए हैं। बड़े नेता ऊपर संसद ठप कर रहे हैं और छोटे-बड़े जमाखोरों के साथ मिलकर आम जनमानस का पैनिक बटन दबाकर गैस सिलेंडर के लिए लंबी-लंबी कतारें लगवा रहे हैं। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी दल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं जबकि प्रधानमंत्री मोदी व उनकी सरकार की पहल का ही परिणाम है कि ईरान-अमेरिका-इजरायल जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट से दो भारतीय जहाज शिवालिक और नंदादेवी 927000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत आ रहे हैं। भारत सरकार व अधिकारियों के प्रयास से ही फारस की खाड़ी में सभी भारतीय सुरक्षित हैं। भारत के 253 नाविक अब तक सुरक्षित वापस आ चुके हैं। भारत सरकार ऊर्जा आपूर्ति और नागरिक सुरक्षा पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी कैबिनेट की बैठक में अपने मंत्रियों से स्पष्ट कर चुके हैं कि युद्ध का असर आम जनता पर नहीं पड़ना चाहिए। युद्धकाल में जो लोग भारत की विदेश नीति को फेल बताने वालों को स्मरण रखना चाहिए कि कि जब संघर्ष के कारण उड़ानें प्रभावित होने पर कई ईरानी नागरिक भारत में फंस गए थे भारत ने ही उन्हें ईरान की सहायता से उनके देश पहुँचाया। वहीं युद्ध के बीच 1.72 लाख भारतीय सकुशल भारत वापस आए हैं। भारत सरकार युद्धकाल में जनता को कोई समस्या न हो इसके लिए लगातार कार्य कर रही है किंतु क्या हम सभी नागरिक अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं? परिस्थितियां इसका उत्तर नहीं में दे रही हैं। यदि नागरिक भी कर्त्तव्य बोध से बंधे होते तो आज देश में गैस सिलेंडर को लेकर जो पैनिक मचा हुआ है वह न होता। ऊर्जा संकट की आहट मात्र से अफवाह बाज सक्रिय हो गए और ऐसी अफवाहें उड़ाई गई कि जमाखोरी और कालाबाजारी शुरू हो गई है। जिन घरों मे एक या दो भरे हुए एलपीजी सिलिंडर मौजूद हैं वो भी हल्ला मचा रहे हैं। प्रतिदिन होने वाली सिलिंडर बुकिंग 55 लाख से बढ़कर 75 लाख हो गई। देशभर मे अजीब नजारे देखने को मिल रहे हैं। जो परिवार 853 रुपए का गैस सिलेंडर खरीदने में भार का अनुभव करते थे अब वही लोग चोर बाजार से 3500 तक का सिलेंडर खरीदने की हैसियत दिखा रहे हैं।

समाज मे नैतिकता व सदाचार की कमी के कारण ही जमाखोरी व कालाबाजारी एक सामाजिक बुराई का रूप ले चुकी है। युद्धकाल में देशवासियों का एक बहुत बड़ा वर्ग कर्तव्य से विमुख होकर अपने लिए मुनाफे का अवसर खोज रहा है। अभी भारत का युद्ध से कोई सबंध नहीं है और यह युद्ध भारत से बहुत दूर हो रहा है तब भी जिस प्रकार का पैनिक भारत में हुआ है वह कुछ भारतीयों की ही विकृत मानसिकता को प्रदर्शित कर रहा है। संकट है किंतु अगर कुछ भी कर्त्तव्य बोध होता तो हालात बिल्कुल सामान्य ही रहते। अंततः अब सरकार ने जमाखोरों और कालाबाजारियों पर कार्यवाई आरम्भ कर दी है और उसके नतीजे भी सामने आने लगे हैं। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध अभी काफी लंबा चलने की आशंका है तथा हालात अभी और भी खराब ही हो सकते हैं किन्तु भारत ही एकमात्र ऐसा राष्ट्र है जिसके लिए होमुर्ज स्ट्रेट का रास्ता खोला गया है। सरकार अपना काम कर रही है किंतु अब समय आ गया है कि भारतीय नागरिक भी अपने कर्तव्य का पालन करें और पैनिक न हों।

कहानी

चार हाथ

एक मिल मालिक के दिमाग में अजीब-अजीब खयाल आया करते थे जैसे सारा संसार मिल हो जाएगा, सारे लोग मजदूर और वह उनका मालिक या मिल में और चीजों की तरह आदमी भी बनने लगेंगे, तब मजदूरी भी नहीं देनी पड़ेगी, वगैरा-वगैरा। एक दिन उसके दिमाग में खयाल आया कि अगर मजदूरों के चार हाथ हो तो काम कितनी तेजी से हो और मुनाफा कितना ज्यादा। लेकिन यह काम करेगा कौन? उसने सोचा, वैज्ञानिक करेंगे, ये हैं किस मर्ज की दवा? उसने यह काम करने के लिए बड़े वैज्ञानिकों को मोटी तनख़्वाहों पर नौकर रखा और वे नौकर हो गए। कई साल तक शोध और प्रयोग करने के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसा असंभव है कि आदमी के चार हाथ हो जाएँ। मिल मालिक वैज्ञानिकों से नाराज हो गया। उसने उन्हें नौकरी से निकाल दिया और अपने आप इस काम को पूरा करने के लिए जुट गया। उसने कटे हुए हाथ मँगवाए और अपने मजदूरों के फिट करवाने चाहे, पर ऐसा नहीं हो सका। फिर उसने मजदूरों के लकड़ी के हाथ लगवाने चाहे, पर उनसे काम नहीं हो सका। फिर उसने लोहे के हाथ फिट करवा दिए, पर मजदूर मर गए।

आखिर एक दिन बात उसकी समझ में आ गई। उसने मजदूरी आधी कर दी और दुगुने मजदूर नौकर रख लिए।

लोक कथा

अक्लमंद हंस

एक बहुत बडा विशाल पेड था। उस पर बीसीयों हंस रहते थे। उनमें एक बहुत स्याना हंस था,बुद्धिमान और बहुत दूरदर्शी। सब उसका आदर करते ताऊ कहकर बुलाते थे। एक दिन उसने एक नन्ही-सी बेल को पेड के तने पर बहुत नीचे लिपटते पाया। ताऊ ने दूसरे हंसों को बुलाकर कहा देखो,इस बेल को नष्ट कर दो। एक दिन यह बेल हम सबको मौत के मुंह में ले जाएगी। एक युवा हंस हंसते हुए बोला ताऊ, यह छोटी-सी बेल हमें कैसे मौत के मुंह में ले जाएगी? स्याने हंस ने समझाया आज यह तुम्हें छोटी-सी लग रही हैं। धीरे-धीरे यह पेड के सारे तने को लपेटा मारकर ऊपर तक आएगी। फिर बेल का तना मोटा होने लगेगा और पेड से चिपक जाएगा, तब नीचे से ऊपर तक पेड पर चढने के लिए सीढी बन जाएगी। कोई भी शिकारी सीढी के सहारे चढकर हम तक पहुंच जाएगा और हम मारे जाएंगे। दूसरे हंस को यकीन न आया एक छोटी सी बेल कैसे सीढी बनेगी? तीसरा हंस बोला ताऊ, तु तो एक छोटी-सी बेल को खींचकर ज्यादा ही लम्बा कर रहा है। एक हंस बडबडाया यह ताऊ अपनी अक्ल का रौब डालने के लिए अंट-शंट कहानी बना रहा हैं। इस प्रकार किसी दूसरे हंस ने ताऊ की बात को गंभीरता से नहीं लिया। इतनी दूर तक देख पाने की उनमें अक्ल कहां थी?

समय बीतता रहा। बेल लिपटते-लिपटह्टे ऊपर शाखों तक पहुंच गई। बेल का तना मोटा होना शुरू हुआ और सचमुच ही पेड के तने पर सीढी बन गई। जिस पर आसानी से चढा जा सकता था। सबको ताऊ की बात की सच्चाई सामने नजर आने लगी। पर अब कुछ नहीं किया जा सकता था क्योंकि बेल इतनी मजबूत हो गई थी कि उसे नष्ट करना हंसों के बस की बात नहीं थी। एक दिन जब सब हंस दाना चुगने बाहर गए हुए थे तब एक बहेलिआ उधर आ निकला। पेड पर बनी सीढी को देखते ही उसने पेड पर चढकर जाल बिछाया और चला गया। सांझ को सारे हंस लौट आए पेड पर उतरे तो बहेलिए के जाल में बुरी तरह फंस गए। जब वे जाल में फंस गए और फडफडाने लगे, तब उन्हें ताऊ की बुद्धिमानी और दूरदर्शिता का पता लगा। सब ताऊ की बात न मानने के लिए लज्जित थे और अपने आपको कोस रहे थे। ताऊ सबसे रुष्ट था और चुप बैठा था। एक हंस ने हिम्मत करके कहा ताऊ, हम मूर्ख हैं, लेकिन अब हमसे मुंह मत फेरो। दूसरा हंस बोला - इस संकट से निकालने की तरकीब तू ही हमें बता सकता हैं। आगे हम तेरी कोई बात नहीं टालेंगे। सभी हंसों ने हामी भरी तब ताऊ ने उन्हें बताया मेरी बात ध्यान से सुनो। सुबह जब बहेलिया आएगा, तब मुर्दा होने का नाटक करना। बहेलिया तुम्हें मुर्दा समझकर जाल से निकाल कर जमीन पर रखता जाएगा। वहां भी मरे समान पडे रहना। जैसे ही वह अन्तिम हंस को नीचे रखेगा, मैं सीटी बजाऊंगा। मेरी सीटी सुनते ही सब उड जाना। सुबह बहेलिया आया। हंसो ने वैसा ही किया, जैसा ताऊ ने समझाया था। सचमुच बहेलिया हंसों को मुर्दा समझकर जमीन पर पटकता गया। सीटी की आवाज के साथ ही सारे हंस उड गए। बहेलिया अवाक होकर देखता रह गया।

असली प्रदूषण और नकली बुद्धि

संतोष उत्सुक

(व्यंग्य)

अब यह सवाल खिल उठा है कि जब प्राचीन बुद्धि, प्रदूषण को उचित तरीके से निबटाने में फेल हो गई तो नकली क्या करेगी। हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट आर्टिस्ट की तरह महसूस करवाए और एयर क्वालिटी इंटेलिजेंस और प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू करवा दे।

असली चीजों और भावनाओं के आराम के दिन आ गए हैं। ऐसे अच्छे दिन पहले आ गए होते तो कई तरह की बचत हो जाती। चलो कोई बात नहीं, देर आए दरुस्त आए। यह तो दिल और दिमाग से महसूस किए जाने वाले सम्मान की बात है कि पुराना जिद्दी प्रदूषण कम करने के लिए नई बुद्धि, नए रास्ते खोज रही है। कृत्रिम बुद्धि का भावार्थ ही नई बुद्धि लिया जा रहा है। अब यह सवाल खिल उठा है कि जब प्राचीन बुद्धि, प्रदूषण को उचित तरीके से निबटाने में फेल हो गई तो नकली क्या करेगी। हो सकता है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंट आर्टिस्ट की तरह महसूस करवाए और एयर क्वालिटी इंटेलिजेंस और प्रदूषण नियंत्रण के समाधानों को लागू करवा दे। बेचारी असली नैसर्गिक इंसानी बुद्धि को, अपने ही फैलाए प्रदूषण से परेशान होते जमाना हो गया । दूसरा कोई स्वादिष्ट सामाजिक चारा नहीं बचा जिसे खाकर नया ज्ञान प्राप्त किया जाए और प्रदूषण को थाम लिया जाए। इसलिए इस संभावना को स्वीकार करना होगा कि कृत्रिम बुद्धि, असली प्रदूषण को अवश्य काबू में कर कर छोड़ेगी।

अधिकांश बुद्धिजीवियों, अबुद्धिजीवियों, समाज सेवियों, असमाज सेवियों, राजनीतिक नेताओं, राजनीतिक अभिनेताओं, पर्यावरण विद्वानों और पर्यावरण चर्चा और खर्चा से सामाजिक महत्त्व प्राप्त करने वाले महानुभावों को स्पष्ट रूप से पता है कि इंसानी दिमाग में पकाए तौर तरीके, सरकारी उपाय, सख्त अनुशासन, ईमानदार और पारदर्शी प्रयास वगैरा सब बुरी तरह थककर, आराम घर में घुस गए हैं। असली बुद्धि असफल हो जाए तो जाहिर है नकली बुद्धि का ही सहारा लेना पड़ेगा। अब उसके परिणामों और फायदों का मजा लेने का मौसम आया है। असली बुद्धि की नदी से निकले जानदार, ताकतवर, शानदार और समझदार उपायों के चमकीले पत्थर तो कब से

प्रयोग हो रहे हैं। जिंदगी में तो कब से दर्जनों नकली चीजों की बहार है। इसलिए भी मान सकते हैं कि नकली बुद्धि, असली से बेहतर काम करेगी। प्रदूषण का रियल टाइम डाटा उपलब्ध कराएगी। स्रोतों की सटीक पहचान करेगी जिससे उन जगहों की सूक्ष्म स्तर पर पहचान हो पाए। फिर उसके प्रभाव का वैज्ञानिक आकलन आसान हो सकेगा और लक्ष्य आधारित और समयबद्ध कार्रवाई सुझाई जा सकेगी। वास्तविक और व्यावहारिक कार्रवाई तो इंसानजी ही करेंगे या करवाएंगे जिसमें वह पूरी तरह माहिर हैं।

इतिहास झूठ बोलता है कि सरकारी एजेंसियां कभी समन्वय आधारित कार्रवाई नहीं कर पाती। यह तो हमारी स्थापित लोकतान्त्रिक, चारित्रिक और सांस्कृतिक परम्परा है कि नए प्रयोगों को आत्मसात किया जाए। अब उसी योजना के तहत नकली बुद्धि आधारित मॉडल से पूछेंगे कि नगर निगम, जिला प्रशासन, प्रवर्तन एजेंसियां, तकनीकी संस्थान और इंसान ने नैसर्गिक बुद्धि का प्रयोग कर, उचित प्लेटफार्म पर काम का अभिनय और वास्तविक अमल कितना किया। दिलचस्प है कृत्रिम बुद्धि सभी संस्थाओं की जिम्मेदारी तय करेगी और सदियों से इंसानी दिमाग में रह रही अक्ल उसे आदेश मानकर संभवत कार्रवाई भी करेगी। यह कुछ अमानवीय सा कार्य होगा।

संभव शब्द जिंदगी में आ ही जाता है। जब महाभारत में अनेक किंतु, परन्तु और कदाचित वगैरा आ सकते हैं तो भारत में भी आ ही सकते हैं। अलग अलग मोर्चों पर कार्रवाई करना वास्तव में मुश्किल होता है, शक्ति विभाजित हो जाती है। इसलिए अब एक साथ, बहुत ज्यादा असली, प्रभाव पैदा करने वाली सख्त, कृत्रिम कार्रवाई की जा रही है। प्रदूषण फैलाने वाले, असली, चालाक और स्वार्थी बुद्धि वालों की नींद उड़ गई है। ऐसा अभी माना जा रहा है लेकिन सिर्फ माने जाने से क्या होता है जी । अभी तो असली बुद्धि और भावनाओं के आराम के दिन शुरू हुए हैं।

मुस्लिम समुदाय के लोगो से कोतवाल की नमाज को लेकर झड़प

नमाजियों से कोतवाल की काफी देर तक तीखी बहस, घंटे भर रहा तनाव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुरावली/मैनपुरी। शनिवार को थाना क्षेत्र में ईद-उल-फितर के अवसर पर गंगापुर स्थित ईदगाह पर नमाज को लेकर कुरावली कोतवाली इंस्पेक्टर ललित भाटी और मुस्लिम समुदाय के लोगो के बीच विवाद की स्थिति बन गई। लगभग एक घंटे तक चली तीखी बहस और तनाव के बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से मामला शांत हुआ और नमाज शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई।

शनिवार की सुबह करीब 8 बजे बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग गंगापुर स्थित ईदगाह पर नमाज अदा करने पहुंचे थे। इसी दौरान इंस्पेक्टर ललित भाटी ने ईदगाह परिसर के बाहर नमाज पढ़ने पर आपत्ति जताते हुए लोगों को रोक दिया। उनका कहना था कि नमाज केवल निर्धारित ईदगाह परिसर के

भीतर ही अदा की जाएगी। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना था कि आसपास के खेतों में वर्षों से नमाज अदा की जाती रही है और इसमें किसी प्रकार की आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही एसडीएम नीरज द्विवेदी मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। प्रशासन के समझाने के बाद नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। घटना के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों में इंस्पेक्टर कुरावली ललित भाटी की कार्यशैली को लेकर नाराजगी देखी गई। उनका कहना था कि धार्मिक अवसर पर इस प्रकार का व्यवहार उचित नहीं है। वहीं, इस मामले ने राजनीतिक तूल भी पकड़ लिया है। नगर के राजनीतिक नेताओं ने पुलिस के इस रवैये पर सवाल उठाते हुए इसे अनुचित बताया है। प्रशासन ने फिलहाल स्थिति को नियंत्रण में बताते हुए शांति बनाए रखने की अपील की है।

कोतवाल से बहस का वीडियो वायरल

गंगापुर स्थित ईदगाह के बाहर नमाज अदा करने को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगो से हो रहीं तीखी बहस का वीडियो शनिवार की शाय सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें कोतवाल ललित भाटी से मुस्लिम समुदाय के लोगो से नमाज अदा करने को लेकर तीखी बहस हो रहीं है। कोतवाल ईदगाह के भीतर ही नमाज अदा करने को कह रहे हैं, वहीं मुस्लिम समुदाय के लोग भी ईदगाह के बाहर नमाज अदा करने की बहस कर रहे है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि निजी संपत्ति पर नमाज अदा करने पर कोई कानूनी रोक नहीं है और प्रशासन धार्मिक अधिकारों में बाधा नहीं डाल सकता। कोर्ट ने संभल में मस्जिद के भीतर नमाजियों की संख्या सीमित करने के प्रशासनिक आदेश को भी रद्द करते हुए कहा था कि कानून व्यवस्था का हवाला देकर नमाज पढ़ने से नहीं रोका जा सकता, खासकर रमजान के दौरान। हाईकोर्ट ने संभल जिला प्रशासन को फटकार लगाते हुए कहा था कि यदि वे कानून-व्यवस्था नहीं संभाल सकते, तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

सैफई यूपीयूएमएस के कुलपति को दिल्ली में मिला अवॉर्ड

- मेडीकल यूनिवर्सिटी में उत्कृष्ट योगदान पर केंद्र सरकार ने दिया अवॉर्ड

मोर्निंग सिटी संवाददाता

श्रीकान्त शाक्य, मैनपुरी/सैफई। शनिवार को जनपद के कस्वा करहल स्थित यूपीयूएमएस सैफई के लिए एक बहुत ही गौरवपूर्ण क्षण भी देखने को मिला, इस गौरवपूर्ण क्षण आने के बाद यूपीयूएमएस में खुशियां छाई हुई है। सैफई स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजय सिंह को दिल्ली स्थित एक भव्य समारोह के बीच केंद्र सरकार द्वारा गोवटेक अवॉर्ड 2026 प्रदान किया गया, कुलपति को यह अवॉर्ड स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की नई और उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रभावी उपयोग विषय पर उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया।

समारोह में कुलपति डॉ. अजय सिंह ने लोगो को संबोधित करते हुए बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखती है। उन्होंने कहा कि एआई के माध्यम से मरीजों की देखभाल को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है, साथ ही रोगों का सटीक व त्वरित निदान संभव हो पाता है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को पारदर्शी, सुलभ एवं कुशल बनाने में भी एआई की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य विभाग अनेक जटिल चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनके समाधान के लिए आधुनिक तकनीकों का समुचित उपयोग अनिवार्य हो गया है। एआई के प्रयोग से न केवल चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि सीमित संसाधनों का बेहतर प्रबंधन भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कुलपति के कुशल नेतृत्व एवं दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय शिक्षा, शोध (रिसर्च) एवं मरीजों की देखभाल के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उनके मार्गदर्शन में संस्थान अकादमिक उत्कृष्टता के साथ-साथ समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यूपीयूएमएस सैफई परिवार ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कुलपति डॉ. अजय सिंह को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। यह सम्मान न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि समस्त चिकित्सा जगत के लिए प्रेरणादायक उपलब्धि भी है।

बच्चों में झगड़ा कराने का आरोप लगाकर की मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। रिचा देवी पत्नी जनवेद जाटव निवासी गांव नगला अखे जटपुरा ने तहरीर दी कि शनिवार की दोपहर बच्चों बच्चों में झगड़ा कराने का झूठा आरोप लगाकर उनके गांव के नामजदों ने उनके दरवाजे पर आकर गालियां दी और मारपीट की जिससे उन्हें काफी चोटें आई हैं।

बाजार गई किशोरी लौटकर घर वापस नहीं आई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने तहरीर देकर बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 8 मार्च को बाजार जाने की कह कर गई और वापस लौटकर नहीं आई। उन्होंने हर रिश्तेदारी में तलाश कर लिया पर उनकी बेटी का कहीं पता नहीं चला। उनका कहना है कि उन्हें पूरा पता चल चुका है कि उनकी बेटी जनपद कन्नौज थाना सौरिख के एक गांव निवासी गोविंद पुत्र सतराम जाटव जो की उनके गांव में अपनी बुआ के यहां आना जाना था, उनकी बेटी उसी के घर पर है। उनकी बेटी घर से जाते समय 45000 रुपए नगद, सोने के पेंडल, झाले, एक अंगूठी और पायल अपने साथ ले गई है।

बैनामाशुदा भूमि पर हिस्ट्रीशीटर नहीं करने दे रहा निर्माण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। गांव देवपुरा मुड़ौसी निवासी सहदेव सिंह पुत्र चंदन सिंह ने तहरीर दी कि उन्होंने गाटा संख्या 2831 का बैनामा लिया था । जिस पर उनकी 2 साल पुरानी निहास भरी पड़ी है। मौके पर उनकी जगह काम है फिर भी वह संतुष्ट हैं परंतु उनके गांव का एक नामजद उनकी जमीन पर कूड़ा आदि डालकर कब्जा किये हैं और उनको निर्माण नहीं करने देरहा है। वकौल सहदेव सिंह उक्त नामजद हत्या के आरोप में जेल काटकर आया है और हिस्ट्री सीटर है। वह उनको भी जान से मारने की धमकी देता है ।जब कि वह अपने परिजनों के साथ मिलकर ग्राम सभा की आबादी घेरे हुए हैं तथा अवैध शराब का कारोबार भी करता है। उन्होंने अपनी जमीन पर निर्माण करने देने की मांग की है।

शराब उधार न देने पर सेल्समैन को दी धमकी

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। दीपू सिंह पुत्र संग्राम सिंह निवासी मदनपुर गपचरिया ने तहरीर दी कि ग्राम ऊंचा इस्लामाबाद में वह देसी शराब की दुकान पर रहते हैं। आरोप है कि शुक्रवार की दोपहर उनकी दुकान पर मदनापुर गपचरिया निवासी एक नामजद उनकी दुकान पर आया और उनसे उधार शराब मांगी। जब उन्होंने देने से इनकार किया तो आरोपी ने उन्हें गाली गलौज कर लात घूंसों से मारापीटा और तमंचा दिखाकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

रोटावेटर की चपेट में आकर मासूम की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता, कुसमरा/मैनपुरी। क्षेत्र के सकरामपुर गांव में खेत पर चल रहे रोटावेटर से खेत जोत रहे ट्रैक्टर की चपेट में आने से सात वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई, वहीं परिवारजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव सकरामपुर निवासी कृष्णा (7) पुत्र विपिन कुमार खेत पर खाना देने गया था, जहां ट्रैक्टर से जुताई का कार्य चल रहा था। इसी दौरान खेलते-खेलते वह अचानक ट्रैक्टर के पीछे लगे रोटावेटर की चपेट में आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतक कृष्णा अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी तीन वर्षीय छोटी बहन आराध्या है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक का माहौल है। सूचना पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किए। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

22 को होगा आचार्य सौभाग्य सागर ध्यान यात्रा का प्रवेश

23 मार्च को होगा महामृत्युंजय अनुष्ठान, तैयारी में लगा जैन समाज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। श्री दिगम्बर जैन महामृत्युंजय तीर्थ क्षेत्र चम्बल तट ग्राम उदी से मर्सलगंज गौरव आचार्य श्री 108 सौभाग्य सागर महाराज ध्यान यात्रा के साथ विहार करके 22 मार्च को मैनपुरी नगर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। ज्ञात हो कि आगामी 30 मार्च को कुरावली में आचार्य श्री के सानिध्य में श्री महावीर जयंती का ऐतिहासिक और भव्य आयोजन होगा।

जैन भवन, करहल में विराजमान परम पूज्य मरसलगंज गौरव अविचल ध्यान सम्राट, अंकलीकर अक्षुण परम्पराचार्य श्री 108 आचार्य सौभाग्य सागर महाराज के सानिध्य में शनिवार को शहर की जैन समाज के श्रद्धालु श्रावकगणों ने मैनपुरी नगर में होने वाले मंगल आगमन हेतु विनम्र निवेदन कर श्रीफल भेंट कर आगमन की स्वीकृति प्राप्त करने का सौभाग्य उमेश चंद्र जैन एडवोकेट, श्रवण कुमार जैन, आदेश जैन, विकास जैन बंटी, आशीष जैन विक्की, राकेश जैन, अर्पित जैन एडवोकेट, चंदन जैन, अनूप जैन, विनय जैन करहल आदि को मिला। इस अवसर पर महामंत्री विशाल जैन जॉली ने समाज के श्रावकगणों से अपराह्नत 3 बजे बाईपास करहल चौराहा पर एकत्रित होकर मुनि श्री की अगवानी की अपील की है। 23 मार्च को आचार्य श्री के नेतृत्व में प्रातः 7 बजे श्री जी के अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात महामृत्युंजय अनुष्ठान किया जाएगा। सौरभ ने फोन पर उन्हें मिलने के लिए

इस्टाग्राम पर दोस्ती करके दोस्तों संग गैंगरेप का प्रयास

अब लगातार ब्लैकमेल कर वीडियो वायरल करने की धमकी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक युवक ने युवती को दोस्त के घर बुलाकर दोस्तों के साथ गैंगरेप करने का प्रयास किया। युवती किसी तरह खुद को बचाकर वहां से निकली। जिसके बाद आरोपी युवती को लगातार ब्लैकमेल कर वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है। मानसिक तनाव में आई युवती ने आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। औंछा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने कोतवाली सदर में एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया है कि अप्रैल 2025 में सौरभ सिंह निवासी हंस नगर राधा रमन रोड से उनकी इंस्टाग्राम पर दोस्ती हो गई थी। जान पहचान के बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी। 25 सितंबर 2025 को मैनपुरी शहर बुलाया। वहां से वह अपने दोस्त देवेश उर्फ मोनू के घर बात करने के लिए ले गया। वह उसके घर पहुंची तो वहां पहले से ही देवेश के अलावा एक और युवक मौजूद था। जैसे ही युवती कुर्सी पर बैठी तो तीनों छेड़छाड़ करते हुए अश्लील वीडियो बनाने लगे। जब तक वह कुछ समझ पाती, तब तक उसके कपड़े फाड़कर सब ने गैंगरेप करने का प्रयास किया।

जिसका युवती ने विरोध किया, युवती काफी प्रयास के बाद किसी तरह तीनों के चंगुल से छूटकर वहां से भाग निकली। फोन कर उन्हें 20 फरवरी को फिर से मिलने के लिए बुलाया। जब वह गई नहीं तो अब आरोपित फोन पर उन्हें ब्लैकमेल कर वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है, जिससे वह तनाव में हैं। कोतवाली प्रभारी फतेह बहादुर सिंह भदौरिया ने बताया कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

वालीवॉल खेलते पर सरिया युवक के पेट में आर पार

युवक की हालत नाजुक, सैफई यूपीयूएमएस में चल रहा उपचार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। बेवर थाना क्षेत्र के गांव बहरामऊ में दोस्तों के साथ वालीबॉल खेलते समय जमीन पर गिरे युवक के सीने में सरिया घुसकर आर-पार हो गई। जानकारी मिलने पर तत्काल पहुंचे परिजनो ने गंभीर घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत में सैफई के यूपीएमएस के लिए रेफर कर दिया गया। बेवर थाना क्षेत्र के गांव बहरामऊ निवासी 28 वर्षीय सुरजीत शनिवार की सुबह युवाओं के साथ खेल मैदान में वालीबॉल खेल रहे थे। पास ही भैंस बांधने के लिए सरिया का खूंटा लगा था। बॉल उछालते समय पैर फिसलने से वह पेट के बल खूंटे पर गिर गए, जिससे सरिया सीने में घुसकर आर-पार हो गई। मौके पर मौजूद दोस्तो ने जानकारी परिजनो को दी, परिजन गंभीर घायल सुरजीत को सीएचसी बेवर लेकर पहुंचे, जहां से उन्हे चिकित्सको ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

जिला अस्पताल से डॉक्टरो ने किया रेफर

गंभीर हालत में सुरजीत को जिला अस्पताल में भर्ती कराने के बाद उनका डॉक्टरो द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के चलते जिला अस्पताल से भी चिकित्सको ने सुरजीत को सैफई के यूपीएमएस के लिए रेफर कर दिया। वहां उनकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

सरसों कटवाने के विवाद के बाद मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। गांव जबापुर (कुसमरा) निवासी प्रदीप कुमार पुत्र गोपी लाल बाल्मीकि ने बताया कि शनिवार की दोपहर वह ट्रैक्टर में लगे कटर से सरसों काटने गए थे।

इसी को लेकर उनके साथी रवि पुत्र जमादार यादव आलोक पुत्र हवलदार यादव को दांडी भट्ठा पर कुछ नामजदों ने गालियां देते हुए लात और घूंसों से मारपीट की जिससे उनके चोटें आई। आरोप है कि उक्त लोगों ने रवि का मोबाइल और नकदी छीन लिए पुलिस घटना की जांच कर रही है।

यूपीयूएमएस सैफई कुलपति जीरो टोलरेंस की नीति पर कर रहे कार्य

महिला से अनुचित व्यवहार पर एफआईआर दर्ज कराकर आरोपी को जेल भिजवाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

श्रीकान्त शाक्य, मैनपुरी/सैफई। जनपद के कस्वा करहल के निकटवर्ती स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्याल सैफई में एक युवक द्वारा महिला मरीज के साथ किए गए अनुचित व्यवहार पर कुलपति डॉ. अजय सिंह द्वारा लिए गए सख्त एक्शन ने एक नजीर पेश कर दी है। कुलपति ने मामले में सवेंदनशीलता दिखाते हुए सख्त एक्शन लेते पहले एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश देते हुए आरोपी की गिरफ्तारी भी करा दी, इसके साथ ही मामले की बारीकी से जांच कराने के लिए तीन सदस्यीय जांच टीम का गठन भी कर दिया, यह कार्रवाई साफतौर पर इशारा करती है कि कुलपति जीरो टोलरेंस की नीति को अपनाकर काम कर रहे है।

ज्ञात हो कि सैफई स्थित उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्याल के मनोचिकित्सा विभाग में भर्ती महिला मरीज के साथ एक युवक द्वारा पिछले समय अनुचित व्यवहार किया गया, इसकी जानकारी यूपीयूएमएस के कुलपति डॉ. अजय सिंह को मिलते ही उनके द्वारा सख्त निर्देश देते हुए आरोपी के खिलाफ एफआईआर कराने के निर्देश दिए, 18 मार्च को आरोपी के खिलाफ सैफई थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई, जिसके अगले ही दिन कुलपति के प्रयास से पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। कुलपति ने मामले की तह तक जाने के लिए 19 मार्च को तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन भी कर दिया, जिसके बाद कुलपति ने जांचद प्रभावित न हो इसके लिए यूपीयूएमएस के मनोचिकित्सा विभाग के संबंधित कर्मचारियों का स्थानांतरण करने के साथ ही उनके दायित्वों में परिवर्तन कर दिया।

मरीज की देखभाल के लिए निगरानी टीम भी गठित

कुलपति ने महिला मरीज पीड़िता को प्राथमिकता देते हुए उसके उपचार के लिए सीएमएस की देखरेख में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम भी गठित कराई, जिससे उसकी समुचित देखभाल और निरंतर निगरानी सुनिश्चित की जा सके। कुलपति के मार्गदर्शन में इंटरनल कमेटी को सक्रिय किया गया, जिससे मरीजों की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। यह उनके संवेदनशील और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचायक है।

जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही दोषियों पर कार्रवाई

कुलपति के नेतृत्व में इस घटना को एक सीख के रूप में लेते हुए भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुधारों की दिशा में भी ठोस कदम उठाने की पहल की गई है। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। कुलपति के नेतृत्व में यह पूर्णतः स्पष्ट है कि पीड़िता को न्याय दिलाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कुलपति ने अन्य के लिए पेश कर दी नजीर

उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय में कुलपति के सशक्त, संवेदनशील और निर्णायक नेतृत्व ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो किसी भी संवेदनशील मामले में त्वरित, निष्पक्ष और प्रभावी न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है। उनके द्वारा लिए गए सख्त फैसलों ने न केवल पीड़िता को न्याय दिलाने का काम किया हैं साथ ही संस्थान में सुरक्षा, विश्वास और जवाबदेही का वातावरण भी सुदृढ़ होने का संदेश दिया है।

नाला में मिले अज्ञात शव का सनातन संस्कृति से अंतिम संस्कार

- नेताजी सुभाष चन्द्र वोस फाउंडेशन ने किया 52वें शव लावारिस शव का अंतिम संस्कार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। हमेशा के लिए चले गए जो, उनकी यादें ताउम्र साथ रहती हैं। सफर भले ही रुक जाए, लेकिन प्यार का सफर कभी नहीं रुकता। रास्ते तो बहुत हैं, मगर चलने का हुनर चाहिए, आखिरी सफर में सिर्फ सुकून का सफर चाहिए। आखिरी सफर पर भी सुकून की जरुरत होती है। मैनपुरी में मिले अज्ञात शव के आखिरी सफर में साथ चलकर नेताजी सुभाष चन्द्र वोस फाउंडेशन के सदस्य मानवता की नई मिशाल पेश कर रहे है। मैनपुरी के नेताजी सुभाष चंद्र बोस फाउंडेशन ने शनिवार को 52वें अज्ञात शव का पूरे सम्मान और विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार कर समाज के सामने संवेदनशीलता की नई मिसाल पेश की हैं।

ज्ञात हो कि कोतवाली सदर क्षेत्र

में करहल चौराहे के पास तीन दिन पूर्व नाले में एक अज्ञात शव मिला था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और पहचान के प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। पुलिस ने शव के शिनाख्त के प्रयास किया लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी, 72 घंटे बाद पुलिस ने मोर्चरी में रखे शव का पोस्टमार्टम कराया और प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेताजी सुभाष चन्द्र वोस फाउंडेशन के पदाधिकारियों से सम्पर्क किया। इसके बाद फाउंडेशन के सदस्यों ने पूरे धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार गृह पर पुलिस की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे समय में जब कई बार अपने भी साथ छोड़ देते हैं, यह संस्था समाज में इंसानियत की लौ जलाए हुए है।

फाउंडेशन ने सम्मानजनक दी विदाई

नाला में मिले शव की जब शिनाख्त नहीं हो सकी, जब उसके परिजनो का पता नहीं चल सका, तब नेताजी सुभाष चन्द्र वोस फाउंडेशन के सदस्यों ने आगे आकर उसके आखिरी सफर में साथ चलकर उसे सम्मानजनक विदाई दी। संस्था का कहना है कि उनका उद्देश्य सिर्फ अंतिम संस्कार करना नहीं, बल्कि यह संदेश देना है कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है।

अब तक 52 शवों का किया अंतिम संस्कार

मैनपुरी के नेताजी सुभाष चंद्र वोस फाउंडेशन द्वारा अब तक लगातार 52 अज्ञात शवों का सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार किया जा चुका है। फाउंडेशन की यह पहल अब मैनपुरी में सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता का मजबूत प्रतीक बन चुकी है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम में मुख्य रूप से अंचल तिवारी, अतुल सक्सेना, अरुण यादव, अवनीश शाक्य, पुनीत अग्निहोत्री, रोहित सक्सेना, सुरेश यादव, अनुभव सक्सेना, प्रवीन पाण्डेय, गोविन्द दिवाकर के अलावा शहर कोतवाली पुलिस से मनोज चौधरी और रंजीत चौधरी के अलावा फाउंडेशन के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

पिकअप की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना बेबर गांव जलालपुर निवासी आदेश कुमार पुत्र हरिराम ने तहरीर दी की 15 मार्च को उनके भाई मिलाप सिंह बिशुनगढ़ रामनगर रोड पर मोकमपुर पुलिया के पास रिंकू पुत्र हेमराज की दुकानों के सामने अपने खराब खड़े थ्री व्हीलर के पास खड़े होकर उसे ले जाने के लिए टोइंग वाहन का इंतजार कर रहा था ।

करीब 7.00 बजे सुबह रामनगर से की ओर से आ रहे पिकअप वाहन चालक ने उनके भाई मिलाप सिंह व टेंपो में टक्कर मार दी उनका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। थ्री व्हीलर भी टूट गया। पिकअप चालक पिकअप को मौके पर छोड़कर भाग गया उन्होंने कार्रवाई करने की मांग की है।

कुसमरा में बकरा-बकरी चोरी की वारदातें बढ़ीं, ग्रामीणों में दहशत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कुसमरा/मैनपुरी। क्षेत्र के ग्राम जवापुर में बकरा-बकरी चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। शनिवार दोपहर एक बार फिर नकाबपोश बदमाश घर के बाहर बंधे बकरा और बकरी को चोरी कर फरार हो गए।

ग्राम जवापुर निवासी रूबी पत्नी अरविंद ने चौकी कुसमरा में दी गई तहरीर में बताया कि शनिवार दोपहर करीब 12 बजे वह अपने परिवार के साथ घर में खाना खा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसियों ने सूचना दी कि कुछ नकाबपोश बाइक सवार उनके दरवाजे पर बंधे बकरा और बकरी को उठाकर ले जा रहे हैं। जब तक वह बाहर पहुंचीं, तब तक बदमाश दोनों जानवर लेकर मौके से फरार हो चुके थे। पीड़िता के अनुसार, चार दिन पूर्व भी गांव में तमंचे के बल पर बकरियां चोरी की गई थीं। लगातार हो रही इन घटनाओं से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। बताया जा रहा है कि नकाबपोश चोर पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं, जिनमें वे काले रंग की बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार दिखाई दे रहे हैं।

इस संबंध में चौकी इंचार्ज कुसमरा प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की सूचना मिल गई है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सहकार संवाद पत्रिका का विमोचन सम्पन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। सहकारिता पर आधारित राष्ट्रीय त्रैमासिक पत्रिका सहकार संवाद का विमोचन सहकार भारती आगरा मंडल के मंडल कार्यालय, समृद्ध सागर अपार्टमेंट, न्यू आगरा में गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं स्वर्गीय लक्ष्मण राव इनामदार जी के चित्रों पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

पत्रिका के प्रधान संपादक राकेश चन्द्र शुक्ला ने बताया कि यह पत्रिका पूरे भारत वर्ष में सहकारिता से जुड़े कार्यकताओं, संस्थाओं एवं संगठनों को जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है तथा प्रत्येक राज्य में इसके ब्यूरो चीफ नियुक्त हैं। यह पत्रिका श्रीनिधि क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, लखनऊ के सहयोग से प्रकाशित हो रही है और सहकारिता, स्वदेशी तथा स्वावलंबन से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करती है।

उन्होंने बताया कि मात्र ?500 की सहयोग राशि से यह पत्रिका दो वर्ष तक नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने स्थानीय संसाधनों के बल पर रावण पर विजय प्राप्त कर यह संदेश दिया कि स्थानीयता ही स्वावलंबन का आधार है। गुरुकुल परंपरा का ह्रआइए सेवार्थ, जाइए स्वावलंबीह्व का भाव आज भी आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की प्रेरणा देता है। वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता एवं स्वावलंबन के माध्यम से ही देश सशक्त, आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सकता है।

बैठक में पत्रिका का विमोचन करते हुए 1 व 2 अप्रैल को वाराणसी में आयोजित होने वाली प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई तथा सभी पदाधिकारियों से समय से उपस्थित होने का आग्रह किया गया। प्रो॰ वेद प्रकाश त्रिपाठी ने पत्रिका के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पत्रिका समाज जीवन में सहकारिता की भावना को सुदृढ़ करने वाली अत्यंत उपयोगी कड़ी है। अभिनव कश्यप एवं राकेश चन्द्र शुक्ला, विभाग संयोजक सहकार भारती आगरा मंडल ने सहकारिता, स्वावलंबन तथा आत्मनिर्भर भारत अभियान के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

स्वदेशी जागरण मंच, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के क्षेत्रीय संयोजक डॉ॰ अमितेश अमित ने कहा कि प्रत्येक युवा को सरकारी या निजी नौकरी देना संभव नहीं है, इसलिए स्वदेशी स्वावलंबी अभियान के माध्यम से युवाओं को उद्योग, सेवा एवं सहकारिता से जोड़कर उन्हें रोजगारयुक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रो॰ वेद प्रकाश त्रिपाठी (प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख, सहकार भारती), डॉ॰ अमितेश अमित (क्षेत्रीय संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड), श्री मनोज अग्रवाल (प्रांत संयोजक, स्वदेशी जागरण मंच), श्री सुशील चौहान (प्रांत सह संयोजक), अभिनव कश्यप (प्रदेश मत्स्य प्रकोष्ठ प्रमुख), राकेश चन्द्र शुक्ला (प्रधान संपादक सहकार संवाद एवं विभाग संयोजक सहकार भारती आगरा मंडल), प्रो॰ अमिता त्रिपाठी, डॉ॰ ज्योति गुप्ता, आरती शर्मा, पूनम सोलंकी, अवनीश शुक्ला मुकेश सिंह जादौन, अवधेश उपाध्याय, अनिल अरोड़ा, देवेंद्र सिंह जादौन, रुद्र प्रताप सिंह, पीयूष गुप्ता, तारा सिंह, नम्रता वरयानी, राखी कुशवाहा, नैन्सी सैनी, अनीसा अग्रवाल, संदीप कश्यप सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अंत में सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया - सहकार से समृद्धि यही हमारा संकल्प।

सोने की चोरी का रहस्यमय खेल! सूरज की गिरफ्तारी ने खोली चोरी की पूरी साजिश, पुलिस की रणनीति ने किया पदार्फाश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। व्यापारियों और सोने के कारोबार में सनसनी फैलाने वाला मामला सामने आया है, जिसने शहर की पुलिस और आम जनता की नजरें इस तरफ मोड़ दी हैं। वादी, जो मूल रूप से महाराष्ट्र का निवासी है और आगरा में छोटी बम्बई नाम से दुकान चलाता है, ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई कि 21 जून 2025 को उसने 1 किलो 70 ग्राम सोना अपने कारीगर सूरज आनन्दा सकट को ज्वैलर्स के पास पहुँचाने के लिए दिया। लेकिन सूरज ने सोना ज्वैलर्स तक नहीं पहुँचाया और मोबाइल फोन बंद कर लिया।

व्यापारी ने बताया कि सूरज की यह हरकत न केवल उसके व्यवसाय के लिए भारी नुकसान थी, बल्कि इसने शहर के व्यापारिक समुदाय में भी चिंता और डर फैलाया। पुलिस ने 4 सितंबर 2025 को सूरज आनन्दा सकट को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान पता चला कि इस चोरी की साजिश में और भी व्यक्ति शामिल हैं। महाराष्ट्र के जिला सतारा के थाना वडूज से पुलिस ने विशेष टीम बनाकर 18 मार्च 2026 को दिलीप फूलचंद वायंदडे को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से टाटा हैरियर कार, 115.030 ग्राम सोना, आधार व पैन कार्ड, दो एटीएम कार्ड और मोबाइल बरामद हुआ।

पूछताछ में दिलीप ने स्वीकार किया कि सूरज उसका ममेरा भाई है और करीब 10 महीने पहले सूरज ने दुकान से सोना लेकर भागने की योजना बनाई थी। लालच में दिलीप ने सूरज को अपने घर रखा और कुछ सोना बेचकर कार खरीदी। शेष सोना बेचकर ट्रक लोन की किस्तें चुकाने की योजना बनाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, यह साजिश इतनी सुनियोजित थी कि अगर समय पर पकड़ नहीं होती, तो व्यापारी और अन्य व्यापारिक समुदाय को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता था। पुलिस की टीम की कार्रवाई को शहर में सराहा जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक भानू प्रताप सिंह की उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता और चौकी प्रभारी अंकित तोमर की सक्रिय भूमिका ने इस मामले में सफलता सुनिश्चित की। टीम ने न केवल अपराधियों को पकड़ने में सफलता पाई बल्कि पूरे मामले की जांच और बरामदगी को भी प्रभावशाली तरीके से अंजाम दिया।

इस पूरे मामले में बरामद सामग्री और अभियुक्तों के बयान ने पूरी साजिश का पदार्फाश किया। चोरी की योजना, लालच, और व्यापारियों के भरोसे को ठेस पहुँचाने वाली हरकतें अब सार्वजनिक हुईं। शहर के व्यापारी इस घटना के बाद ज्यादा सतर्क हैं और पुलिस की तत्परता की सराहना कर रहे हैं। यह मामला न केवल व्यापारी के आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह आगरा पुलिस की दक्षता, रणनीति और अपराध नियंत्रण क्षमता का जीता-जागता उदाहरण भी बन गया है। अपराधियों के लिए आगरा की गलियां अब सुरक्षित नहीं रहीं और यह कार्रवाई स्पष्ट संदेश देती है कि कोई भी साजिश पुलिस की नजरों से बच नहीं सकती।

पुलिस ने बताया कि इस गिरफ्तारी और बरामदगी से पूरे व्यापारिक समुदाय को न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है। साथ ही यह घटना अन्य संभावित अपराधियों के लिए चेतावनी भी है। शहर में कानून और व्यवस्था की मजबूती को लेकर प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि ऐसे मामलों में तत्परता और प्रभावशाली कार्रवाई जारी रहेगी। इस घटना ने दिखा दिया कि व्यापारी की सतर्कता, पुलिस की कुशल योजना और नेतृत्व की शक्ति मिलकर अपराधियों की हर चाल को बेनकाब कर सकती है।

ग्राम क्वारी में मजदूर पर हमला, पुलिस ने कराया मेडिकल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बाह। थाना बाह क्षेत्र के ग्राम क्वारी निवासी मजदूर रामू पुत्र करन सिंह पर चाउमीन दुकानदार तुलसी पुत्र रामलक्षिन और उसके बेटे आयुष ने क्रूरता से हमला बोला। मजदूरी के 8 दिन के मेहनताने की मांग पर जातिसूचक गालियां देकर लात-घूंसे व डंडों से पीट दिया।रामू ने क्वारी रोड स्थित तुलसी के खेत फूल तोड़ने काम किया था। आज दोपहर पैसे मांगने पर विवाद शुरू हो गया। उसे जमीन पर पटककर बुरी तरह पीटा, मरा समझकर भाग गए। रामू के शरीर पर कई गंभीर चोटें हैं तहरीर मिलने पर थाना प्रभारी बाह ने तुरंत संज्ञान लिया। घायल रामू को नजदीकी अस्पताल ले जाकर मेडिकल परीक्षण कराया गया, जहां चोटों की पुष्टि हुई। मेहनत-मजदूरी से परिवार चलाने वाले रामू भयभीत हैं।

सीकरी पुलिस ने गुम हुए 2 मोबाइल फोन बरामद कर आवेदकों को सुपुर्द

मोर्निंग सिटी संवाददाता

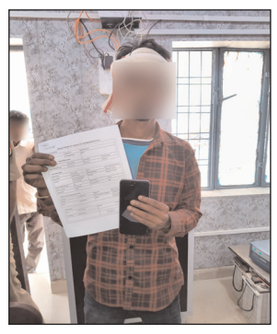

आगरा। थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस ने तकनीकी दक्षता और सतर्कता का परिचय देते हुए गुम हुए 2 मोबाइल फोन बरामद कर आवेदकों को सुरक्षित रूप से सुपुर्द किए। जानकारी के अनुसार, 19 जून 2024 को पुष्पेन्द्र पुत्र जगदीश, निवासी महटौली, थाना चिकसाना, जिला भरतपुर (राजस्थान) ने अपने मोबाइल फोन के गुम होने की शिकायत पोर्टल पर दर्ज कराई थी। वहीं, 26 फरवरी 2026 को सत्यवीर पुत्र रमेशचन्द, निवासी नगला रामले कराही, थाना फतेहपुर सीकरी, आगरा ने अपने मोबाइल फोन के गुम होने की सूचना पोर्टल के माध्यम से पुलिस को दी थी। थाना फतेहपुर सीकरी पुलिस टीम ने दोनों मामलों में सर्विलांस तकनीक और पोर्टल की सहायता से गुम हुए मोबाइल फोन को सफलतापूर्वक बरामद किया और संबंधित आवेदकों को सुपुर्द कर दिया। मोबाइल प्राप्त होने पर दोनों आवेदकों ने पुलिस टीम और आगरा पुलिस का आभार व्यक्त करते हुए भूरि-भूरि प्रशंसा की। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल गुम हो जाए या चोरी हो जाए तो तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं और पोर्टल पर ब्लॉक शिकायत दर्ज कराएं। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हुआ कि आगरा पुलिस तकनीकी दक्षता के साथ आमजन की सुरक्षा और संपत्ति की सुरक्षा में तत्पर है।

संत चंद्रशेखर की हत्यारों को हो फांसी: राकेश सिंह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ के मंडल अध्यक्ष आगरा-मुरादाबाद मंडल के प्रभारी ठा. राकेश कुमार सिंह ने मथुरा में हुई संत चंद्रशेखर की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि अपराधियों को ऐसी सजा मिले कि जिंदगी में अपराधियों ने कभी देखी ना हो। उन्होंने कहा कि साधु संत चंद्रशेखर की हत्या करना कानून को अपने हाथ में लेना होता है। कुख्यात अपराधियों को किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाना चाहिए। ठा. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि साजिश के पीछे कौन छिपा है, यह उजागर होना चाहिए। अपराधियों को ऐसी सजा मिले, जिससे उनके पैदा होने वाली पीढ़ी भी कंपकंपा उठे। कहा कि अपराधियों के घर पर बुलडोजर चले, अचल संपत्ति जब्त हो और जेल हो, यही राष्ट्रीय टीम योगी महासंघ की मांग है।

रसोई गैस की कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। रसोई गैस की कालाबाजारी पर प्रभावी नियंत्रण और उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिला पूर्ति विभाग द्वारा व्यापक निगरानी और प्रवर्तन कार्रवाई लगातार की जा रही है। जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह की टीम ने जिले में संचालित होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों, मिष्ठान भंडारों एवं मैरिज होमों पर सघन छापेमारी अभियान चलाया। मुख्य उद्देश्य घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक करना रहा। अधिकांश प्रतिष्ठानों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों का ही उपयोग देखने को मिला। कुछ स्थानों पर प्रतिष्ठान संचालकों द्वारा वैकल्पिक ईंधन के रूप में कोयला एवं लकड़ी का प्रयोग होता मिला। संचालकों से कहा गया कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग व्यावसायिक कार्यों में न करें। जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह ने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का दुरुपयोग एवं कालाबाजारी की शिकायत मिलने पर उस व्यक्ति के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कठोर विधिक कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि रिफिल बुकिंग के बाद अधिकृत हॉकरों के माध्यम से होम डिलीवरी की जा रही है। उपभोक्ता गैस एजेंसी अथवा गोदाम पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं। घरेलू गैस सिलेंडर के कालाबाजारी की सूचना मिलती है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जब कोई नहीं आया तो हैंड्स फॉर हैल्प ने साथ निभाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ। अंबेडकर नगर कॉलोनी निवासी एक महिला माला देवी की अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने बताया कि महिला का हीमोग्लोबिन काफी कम है और तत्काल ब्लड की व्यवस्था होने पर ही भर्ती कर उपचार शुरू किया जा सकता है। महिला के पति दिल्ली में मजदूरी का कार्य करते हैं और उस समय अलीगढ़ में मौजूद नहीं थे। आस-पड़ोस और परिचित लोगों से सहयोग मांगा, लेकिन कोई मदद नहीं मिल सकी। हैंड्स फॉर हेल्थ सामाजिक संस्था की टीम सूचना मिलते ही मेडिकल कॉलेज पहुंची और स्थिति को देखते हुए ब्लड की व्यवस्था कराई, जिसके बाद महिला का उपचार हो सका। डॉ. शिवराम यादव के सहयोग से महिला का उपचार समय पर शुरू हो सका। महिला के पति दिल्ली से अलीगढ़ पहुंचे तो उन्होंने संस्था का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब कोई मदद के लिए आगे नहीं आया, तब संस्था ने उनके परिवार का साथ दिया।

दबंगों का कहर: पति की बेरहमी से पिटाई, महिला से छेड़खानी व निर्वस्त्र करने का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में एक महिला ने पड़ोसियों पर पति के साथ मारपीट और खुद के साथ छेड़खानी व निर्वस्त्र करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता समा, पत्नी जाकिर अली, निवासी पुलक विहार कॉलोनी, पुराना 8 नंबर फाटक, कलवारी ने बताया कि 16 मार्च 2026 की शाम करीब 7:30 से 8:00 बजे के बीच उनके पति पास की दुकान पर सामान लेने गए थे। आरोप है कि वहीं पर राजुद्दीन, आसिफ, राशिद और आशिक ने उन्हें घेर लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों और सरिया से बेरहमी से मारपीट की, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़े। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने उनके पति को घसीटकर पास के एक बाड़े में ले जाकर बंद कर दिया और वहां भी मारपीट करते रहे। जब वह अपने पति को बचाने पहुंचीं तो आरोप है कि सभी ने उनके साथ भी अभद्रता की, कपड़े फाड़कर निर्वस्त्र करने की कोशिश की और अश्लील हरकतें कीं। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें जान से मारने, दुष्कर्म करने और उठाकर बेच देने तक की धमकी दी। घटना के दौरान उनके भतीजे ने 112 नंबर पर सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद जब वह थाना जगदीशपुरा पहुंचीं, तब भी तत्काल सुनवाई नहीं हुई। महिला ने 19 मार्च को लिखित प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

22 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध मौत: फंदे पर लटका मिला शव, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जनपद के पिनाहट क्षेत्र में शनिवार को एक 22 वर्षीय विवाहिता का शव उसके घर में फांसी के फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार, थाना पिडौरा क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली निलेश (22) की शादी करीब दो वर्ष पहले आशापुर गांव निवासी भानु के साथ हुई थी। शनिवार को उसका शव घर के अंदर फंदे पर लटका मिला। घटना की खबर मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और मामले ने तूल पकड़ लिया। सूचना मिलने पर मृतका के मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए हत्या की आशंका जताई है। मृतका के भाई रामबरन का कहना है कि उसकी बहन की हत्या कर शव को फांसी पर लटका दिया गया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके।

घटना के बाद परिजन निलेश को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पिनाहट लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद आगे की प्रक्रिया के लिए उसे आगरा रेफर किया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी समय सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध लग रहा है, इसलिए हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

अलीगढ़ में सड़क पर नमाज को लेकर विवाद, विहिप ने बताया शक्ति प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

मोर्निंग सिटी संवाददाता

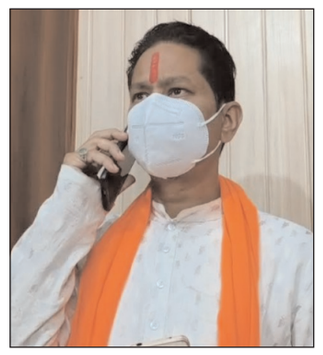

अलीगढ़ । ईदगाह पर सड़क पर नमाज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। विश्व हिंदू परिषद ने इसे नियमों की अवहेलना बताते हुए शक्ति प्रदर्शन करार दिया है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं प्रशासन की मौजूदगी पर भी सवाल उठ रहे हैं, जिससे मामले ने तूल पकड़ लिया है।

प्रतीक रघुवंशी ब्रज प्रांत मीडिया प्रमुख विश्व हिंदू परिषद ने जानकारी दी और बताया कि अलीगढ़ के ईदगाह पर आज खुले में ईद की नमाज सड़क पर अदा की गई,जो के प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की आदेशों की खुली अवहेलना है। और यह भी पता चला है कि उसे समय घटनास्थल पर जिला अधिकारी महोदय भी उपस्थित थे उनकी उपस्थिति में खुले में नमाज पढ़ना और उसके बाद मौलाना का यह कहना की नमाज तो पढ़ी जा चुकी। ये खुला शक्ति प्रदर्शन है यह मजहबी वर्ग का और इसके अंदर जो भी संबंधित अधिकारी हो जो भी संबंधित लोग हो शहर और देश की माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं उन पर विश्व हिंदू परिषद कड़ी विधिक कार्रवाई की मांग करता है। और आवश्यकता पड़ी तो इसके लिए हम आंदोलन भी करेंगे हम इसका पुरजोर विरोध करते हैं देश का माहौल और शहर का माहौल किसी भी दशा में खराब करने नहीं दिया जाएगा।

शिक्षा मंत्री ने गिनाये संकल्प से सिद्धि तक के विकास कार्य

उत्तर प्रदेश बना सुशासन, सुरक्षा और समृद्धि का मॉडल , सुशासन के नौ वर्ष: सुरक्षा, विकास और विश्वास का नया उत्तर प्रदेश: संदीप सिंह

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर सर्किट हाउस में वार्ता के दौरान कहा कि वर्ष 2017 का जनादेश केवल सरकार परिवर्तन का नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का जनादेश था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने अराजकता से व्यवस्था, निराशा से विश्वास और पिछड़ेपन से विकास की ओर ऐतिहासिक यात्रा तय की है।

बेसिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है। प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है और संगठित अपराध व माफियाओं पर कठोर कार्रवाई की गई है। माफिया संपत्तियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए हजारों करोड़ की अवैध संपत्तियां जब्त की गई हैं और 53 संगठित अपराधी गिरोहों को ध्वस्त किया गया है। दो लाख 19 हजार पुलिस कर्मियों की पारदर्शिता से भर्ती हुई है। आपातकालीन सेवा यूपी-112 का रिस्पॉन्स टाइम एक घंटे से घटकर लगभग छह मिनट रह गया है, जिससे आमजन को त्वरित सहायता मिल रही है। 15 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन देने के साथ ही छह करोड़ लोगों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया गया है। 5.60 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड जारी कर उनकी निःशुल्क चिकित्सा की व्यवस्था की गई है।

बताया कि अगले माह से निराश्रित, वृद्धा व दिव्यांग पेंशन को बढ़ाकर 1500 कर दिया गया है, जिससे करोड़ों लाभार्थियों को सीधा लाभ प्राप्त होगा। खाद्यान्न उत्पादन को 557 मीट्रिक टन से 737 मीट्रिक टन तक ले जाकर उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर पहुंचा है। किसान हित में तीन लाख 15 हजार करोड़ का गन्ना भुगतान और 3.12 लाख किसानों को 49 हजार करोड़ की सम्मान राशि वितरित की गई है। प्रदेश सरकार बीज से बाजार तक किसानों के हित में कार्य कर रही है। विगत नौ वर्षों में नौ लाख सरकारी नौकरियां दी गई हैं और 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों से निजी क्षेत्र में एक करोड़ से नये रोजगार प्रस्तावित हैं। मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष विजय सिंह, जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, महामंत्री शिवनारायण शर्मा एवं सीडीओ योगेंद्र कुमार, पीडी भाल चंद त्रिपाठी, सहायक निदेशक सूचना संदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जिले में तेज हुई विकास की रफ्तार

बेसिक मंत्री शिक्षा ने बताया कि जनपद में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं से व्यापक परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 4.10 लाख किसानों को 1343 करोड़, ऋण मोचन योजना में 1.11 लाख किसानों का 790 करोड़ ऋण माफ तथा गन्ना किसानों को 1023 करोड़ का भुगतान किया गया। आवास योजनाओं में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना से हजारों परिवारों को पक्के घर मिले। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 86 हजार से अधिक शौचालय बनाए गए। सामूहिक विवाह, कन्या सुमंगला एवं मातृ वंदना योजनाओं से महिलाओं और बालिकाओं को आर्थिक सहयोग मिला। आयुष्मान भारत योजना के तहत 10.76 लाख गोल्डन कार्ड बनाकर 226 करोड़ से निःशुल्क उपचार कराया गया। निःशुल्क राशन, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री जनधन योजना से बैंक खाते और पीएम स्वनिधि योजना से स्ट्रीट वेंडरों को ऋण देकर स्वरोजगार को बढ़ावा मिला। बताया कि यह उपलब्धियां अलीगढ़ के समग्र विकास और जनता के जीवन स्तर में सुधार का प्रमाण है।

छोटी खबरें

रुदायन में 26 मार्च को विशाल देवी जागरण

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी क्षेत्र के गांव रुदायन स्थित मां पथवारी मंदिर पर 26 मार्च को विशाल देवी जागरण का आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व मंदिर परिसर में मां पथवारी की प्रतिमा की दो दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुई।प्राण-प्रतिष्ठा के उपरांत गुरुवार को हवन-यज्ञ कर जागरण का आह्वान किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के दौरान आचार्य पंडित शिवकुमार शर्मा ने मुख्य यजमानों से विधिवत पूजा-अर्चना कराई। युवा समाजसेवी समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में वेद मंत्रों और आहुतियों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दो दिन चले अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।समिति के सदस्यों ने बताया कि 26 मार्च की रात्रि में मां पथवारी मंदिर पर भव्य दरबार, अखंड ज्योति और विशाल देवी जागरण का आयोजन होगा, जिसमें प्रख्यात भजन गायक माता रानी का गुणगान करेंगे। कार्यक्रम को लेकर गांव में उत्साह है और ग्रामीण आयोजन को सफल बनाने में जुटे हैं।

मोक्षधाम की बाउंड्रीवॉल तोड़ी, नगर पंचायत सख्त

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-इगलास रोड स्थित मोक्षधाम की बाउंड्रीवॉल को शरारती तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जिसे लेकर नगर पंचायत ने सख्त रुख अपनाते हुए दो लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हेतु कोतवाली सासनी में तहरीर दी है। शनिवार को कोतवाली में तहरीर देते हुए अधिशासी अधिकारी (ईओ) ने कहा है कि उन्हें सभ्रांत लोगों से सूचना मिली कि सासनी के निकटवर्ती गांव के दो व्यक्तियों ने मोक्षधाम की बाउंड्रीवॉल को क्षतिग्रस्त किया है। इसे लेकर उन्होंने कोतवाली पुलिस को पुलिस को दी गई तहरीर में कथित दो युवकों को नामजद किया गया है। तहरीर में इन दोनों युवकों पर सरकारी संपत्ति को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप है। अधिशासी अधिकारी ने कोतवाली सासनी के प्रभारी निरीक्षक से तत्काल अभियोग पंजीकृतकर आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करने तथा सरकारी संपत्ति को हुए नुकसान की भरपाई की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। कोतवाली प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि अधिशासी अधिकारी की तहरीर प्राप्त के आधार पर कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

घर में घुसकर युवक पर दबंगों ने किया चाकू से हमला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव जरैया में एक युवक पर घर में घुसकर दबंगों ने लाठी और चाकू से हमला कर दिया जिससे युवक को काफी चोटें आई। युवक ने कथित हमलावरों के खिलाफ कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। शनिवार को घटना की तहरीर में गांव जरैया निवासी राहुल पुत्र अमर सिंह ने कहा है कि वह अपने घर पर मौजूद था तभी शुक्रवार की देर शाम गांव का ही दबंग नामजद घर में लाठी डंड और चाकू लेकर घर में घुस आया और उसके ऊपर अकारण प्रहार करते हुए गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर नामजद ने उसे चाकू मार दिया। जिससे उसे हाथ और चेहरे पर काफी चोटें आई। घटना के दौरान मौके पर मची चीख पुकार सुनकर ग्रामीण एकत्र हो गये। जिन्हें देखकर नामजद फिर देख लेने की धमकी देकर भाग गया। किसी प्रकार पीडित कोतवाली पहुंचा और आपबीती पुलिस को सुनाई, और गांव के ही युवक पर अरोप लगाते हुए उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने घायल होने पर पीडित का उपचार और चिकित्सकीय परीक्षण सीएचसी में कराया है। वहीं सासनी कोतवाली प्रभारी अवधेश कुमार ने बताया कि मामले में शिकायत प्राप्त हो गई है। पुलिस शिकायत के आधार पर आगे की जांच कर रही है।

पेट्रोल पंप हत्याकांड में पांच दोषियों को आजीवन कारावास

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। वर्ष 2017 के चर्चित हत्या व डकैती मामले में अदालत ने सख्त फैसला सुनाते हुए पांचों दोषियों को आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है। एडीजे-02, हाथरस की अदालत ने ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत प्रभावी पैरवी और मजबूत साक्ष्यों के आधार पर यह निर्णय सुनाया।मामला 11 अक्टूबर 2017 का है, जब थाना हाथरस गेट क्षेत्र स्थित एक पेट्रोल पंप पर 5-6 बदमाश बिना नंबर की गाड़ी से पहुंचे थे। पेट्रोल भरवाने के बाद पैसे मांगने पर उन्होंने सेल्समैन के साथ मारपीट की और फायरिंग कर दी। गोली लगने से संजीव की मौके पर ही मौत हो गई थी, जिससे क्षेत्र में दहशत फैल गई थी।घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान शेखर मिश्रा, दीपक, राजन, कान्हा उर्फ देवी सिंह और मुकेश उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ ठोस साक्ष्य जुटाए गए। साथ ही आर्म्स एक्ट के तहत भी मुकदमे दर्ज किए गए।पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में इस प्रकरण को ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत प्राथमिकता पर रखते हुए मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन टीम ने न्यायालय में सशक्त पैरवी की। इसके परिणामस्वरूप अदालत ने सभी आरोपियों को दोषी ठहराते हुए हत्या और डकैती के अपराध में सश्रम आजीवन कारावास के साथ विभिन्न धाराओं में अतिरिक्त सजा और जुर्माना भी लगाया।इस फैसले को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है, जिससे अपराधियों में सख्त संदेश गया है और आमजन का कानून व्यवस्था पर भरोसा मजबूत हुआ है।

गांव सीकुर के वद्ध का हत्यारोपी गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को गांव सीकुर में आपसी बंटवारे को लेकर परिवार के ही लोगों ने भीमसेन की लाठी डंडों और दरांती मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद मृतक की पुत्रवधू ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मात्र चौबीस घंटे में हत्यारोपियों को मय आला कत्ल के गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की है।

घटना का खुलासा करते हुए प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि दिनांक बीस मार्च दिन शुक्रवार को गांव सीकुर निवासी श्रीमती वीनेश पत्नी ने कोतवाली में लिखित तहरीर दी थी कि उसके ससुर भीमसेन व ननद वर्षा खेत पर चारा काटने गये हुए थे तभी नामजदों ने खेत पर आकर बंटवारे को लेकर पीडिता के ससुर से झगडा करते हुए मारपीट करने लगे व धारदार हथियार से वादिया के ससुर की हत्या कर दी । जिससे उसके ससुर भीमसेन की मौके पर मौत हो गयी । पुलिस ने तहरीर के आधार पर थाना सासनी पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत कर उच्चाधिकारियों को उक्त मामले से अवगत कराया। घटना को पुलिस कप्तान चिरंजीव नाथ सिन्हा ने गंभीरता से लेते हुए हत्यारोपियों की गिरफ्तारी हेतु एएसपी के निर्देशन एवं सीओ के नेतृत्व में थाना पुलिस सहित पांच टीमों का गठन किया गया । पुलिस टीमों ने अथक प्रयास करते हुए ग्राउंड, टेक्निकल इंटेलिजेंस, सर्विलांस सहित तमाम स्त्रोतों से घटना की जांच की और सबूत एकत्र करते हुए मात्र चौबीस घंटे में घटना को अंजाम देने वाले पूरन सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह तथा रवेन्द्र सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह निवासीगण सीकुर को विजयगढ रोड स्थित ग्राम कोमरी की पुलिया के पास से गिरफ्तार कर कोतवाली ले आए। जहां उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त तीन डण्डा व एक दरांती (आलाकत्ल) बरामद की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ पंजीकृत अभियोग के तहत आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार मय टीम के मौजूद थे।

कपूरा में माँ काली की भव्य शोभायात्रा निकली

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। क्षेत्र के गांव कपूरा में ग्रामवासियों के सहयोग से माँ काली की भव्य शोभायात्रा धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष सीमा रामवीर उपाध्याय ने फीता काटकर किया।शोभायात्रा के दौरान पूरा गांव भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। माँ काली के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल रहे,कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने अतिथि का फूल-मालाओं से स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया तथा प्रसाद वितरण भी किया गया।इस मौके पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत होती है और क्षेत्र में सुख-समृद्धि व शांति बनी रहती है।आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों का सहयोग सराहनीय रहा। इस दौरान विकास भारद्वाज, योगेश शर्मा, खजान सिंह, राजेंद्र शर्मा, सुखराम शर्मा, हरनारायण बघेल, रूपकिशोर प्रधान, बिजेंद्र बघेल, कालीचरण शर्मा, पिंकी प्रधान, शिवकुमार और विनय शर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे।

जायंट्स ग्रुप हाथरस गोल्ड का 16वां शपथ ग्रहण समारोह भव्यता से संपन्न

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। माहेश्वरी धर्मशाला में जायंट्स ग्रुप ऑफ हाथरस गोल्ड का 16वां शपथ ग्रहण समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जायंट्स वेलफेयर इंटरनेशनल के पदाधिकारी मुकेश अग्रवाल एवं राजेश बजाज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उनकी उपस्थिति में वर्तमान अध्यक्ष राकेश गर्ग, प्रशासनिक निदेशक आर.सी. नरूला तथा वित्त निदेशक कपिल अग्रवाल (चूना वाले) सहित समस्त पदाधिकारियों को यूनिट-9बी डायरेक्टर सोनल अग्रवाल द्वारा शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर नगर के विभिन्न जायंट्स ग्रुपों के अध्यक्षों एवं प्रशासनिक निदेशकों का भी स्वागत किया गया।समारोह की अध्यक्षता निवर्तमान अध्यक्ष अनिल अग्रवाल (हींग वाले) ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ सदस्य विजय कृष्ण गर्ग ने किया। कार्यक्रम में फेडरेशन-5 के वरिष्ठ पदाधिकारियों में बृजमोहन शर्मा, अशोक अग्रवाल (गोरई वाले), गुंजन दीक्षित, सीमा वार्ष्णेय, मदन मोहन वार्ष्णेय और राजकमल दीक्षित सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

इसके अलावा रोटरी क्लब के पूर्व गवर्नर डॉ. एस.के. राजू, अरुण जैन एवं रोटरी गोल्ड के पूर्व अध्यक्ष अशोक अग्रवाल (जीके) ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।पूर्व प्रशासनिक निदेशक अशोक रावत ने गत वर्ष में ग्रुप द्वारा किए गए सामाजिक एवं मासिक कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान मार्च माह तक जिन सदस्य दंपतियों की वैवाहिक वर्षगांठ रही, उन्हें ग्रुप अध्यक्ष राकेश गर्ग द्वारा सिल्वर कॉइन देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। अंत में प्रीतिभोज एवं रिटर्न गिफ्ट वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

अंतरराज्यीय महिला टप्पेमार गिरोह का पदार्फाश, दो गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। कोतवाली पुलिस ने ह्यवक्ष ऐपह्ल की मदद से अंतरराज्यीय महिला टप्पेमार गिरोह का पदार्फाश करते हुए दो महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। दोनों ने एक वृद्ध व्यक्ति से रुपये लूटने का प्रयास किया था और पकड़े जाने पर झूठा आरोप लगाने की कोशिश भी की।प्रभारी निरीक्षक अवधेश कुमार सिंह के अनुसार घटना 13 मार्च की दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। गांव सिकंदरपुर के रहने वाले एवं वर्तमान में इगलास रोड निवासी करीब 60 वर्षीय नरायन प्रसाद उर्फ रामकुमार पंजाब नेशनल बैंक से लगभग तीन लाख रुपये निकालकर घर जा रहे थे।

बैंक के बाहर पहले से घात लगाए बैठी दो महिलाओं ने उनके बैग में ब्लेड मारकर रुपये निकालने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने दोनों महिलाओं को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।पुलिस ने ह्यवक्ष ऐपह्ल के जरिए बैंक से घटनास्थल तक के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिससे पूरी घटना स्पष्ट हो गई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम करीना और ज्योति बताए, जो मध्य प्रदेश के राजगढ़ की रहने वाली हैं, और वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया।जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी महिलाएं शातिर किस्म की अपराधी हैं। करीना पर आगरा, मथुरा, वाराणसी और उन्नाव में आठ मुकदमे दर्ज हैं, जबकि ज्योति पर लखनऊ, कानपुर और आगरा में सात मामले दर्ज हैं। पुलिस का कहना है कि ह्यवक्ष ऐपह्ल अपराधियों की धरपकड़ में कारगर साबित हो रहा है। इस कार्रवाई से न केवल पीड़ित को न्याय मिला, बल्कि अंतरराज्यीय गिरोह की सक्रियता पर भी अंकुश लगा है।

ताजमहल में भीड़ में बिछड़े 4 वर्षीय बच्चे को ताज सुरक्षा पुलिस ने सुरक्षित परिजनों से मिलाया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। ताजमहल में हरियाणा के बल्लभगढ़ से आए पर्यटक साहिल का 4 वर्षीय पुत्र साहिब भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़ गया। यह घटना ताजमहल के पश्चिमी गेट पर हुई, जहां रोता हुआ बच्चा थाना ताज सुरक्षा पुलिस के उपनिरीक्षक शिवराज सिंह के ध्यान में आया। उपनिरीक्षक शिवराज ने तुरंत इस घटना की सूचना प्रभारी निरीक्षक तिलकराम भाटी को दी। उनके निर्देशन में सीसीटीवी फुटेज, रेडियो अनाउंसमेंट और आरटी सेट के माध्यम से संदेश का प्रसारण किया गया। तत्पर पुलिस टीम ने बच्चे के परिजनों की खोज शुरू की और मात्र 30 मिनट के भीतर साहिब को उसके माता-पिता के साथ सुरक्षित रूप से मिलाया। बच्चे की मां बच्चे को देखकर अत्यंत भावुक हो गई और रोने लगी। बच्चों के पिता ने आगरा पुलिस की तत्परता और सहायता के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा की। पुलिस ने कहा कि ताजमहल में सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सतर्कता जारी रहेगी और आगंतुकों की सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी।

सास-पति-ससुर पर मांगी गई कानूनी कार्रवाई, घरेलू हिंसा की शिकायत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

बाह। थाना बाह क्षेत्र के जरार मुहल्ला नारियरा निवासी महिला रेखा देवी पत्नी दीपक (उम्र लगभग 30 वर्ष) ने सास, पति दीपक व ससुर पर घरेलू हिंसा व जानलेवा साजिश के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायतकर्ता ने चौकी जरार वाह पर तहरीर में बताया कि 21 मार्च 2026 की सुबह करीब 7 बजे परिजनों ने उन्हें कमरे में बंद कर लाठीझडंडों से बुरी तरह पीटा, जिससे शरीर पर कई जगह चोटें आईं। रेखा ने लिखा कि उनके पति दीपक लंबे समय से शराब पीकर रोजाना मारपीट व अपशब्द बोलते हैं। सुबह सभी तीनों ने मिलकर उन्हें एक कमरे में बंद कर लाठीझडंडों से पीटा, जबकि चिल्लाने पर भी कोई मदद नहीं आई। शिकायत में यह आरोप भी लगाया गया है कि उन्हें घर से निकालने, तलाक देने और घरझखेत छीनने की धमकी दी गई, साथ ही उन्हें खानाझपीने की भी व्यवस्था नहीं की जा रही है। श्रीमान पुलिस चौकी इंचार्ज जरार वाह से रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है, स्थानीय पुलिस ने तहरीर को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है परिजन के खिलाफ घरेलू हिंसा अधिनियम व अन्य प्रासंगिक धाराओं में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

दरगाह मेला में तेज रफ्तार कार ने मचाई तबाही, मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। थाना सीकरी क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को सीकरी दरगाह मेला के दौरान भीड़ के बीच तेज रफ्तार अल्टिका कार ने हड़कंप मचा दिया। हादसे में 38 वर्षीय युवक करतार सिंह पुत्र जगवीर सिंह, निवासी गांव गिलोय, की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब करतार सिंह किसी काम से थाना गहनोली के नगला जंगी की ओर जा रहे थे। अचानक धौलपुर हाईवे पर भीड़भाड़ के बीच वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। कार को जबरदस्ती भीड़ से निकालते देख मौके पर मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड ने बताया कि वे बाल-बाल बचे, लेकिन वाहन की गति इतनी तेज थी कि पुलिस टीम को भी बड़ी मुश्किल से नियंत्रण में लाना पड़ा। हादसे के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घटना की छानबीन शुरू की और मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि मेला और जाम के कारण सुरक्षा व्यवस्था में कमजोरी दिखाई दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेला स्थल और आसपास की सुरक्षा व्यवस्था में सुधार किया जाएगा। आगे से भीड़ वाले आयोजनों में अतिरिक्त पुलिस और होमगार्ड तैनात किए जाएंगे ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। स्थानीय प्रशासन ने जनता से अपील की है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और किसी भी अप्रिय स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचित करें। इस हादसे ने फतेहपुर सीकरी में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं और लोगों में चिंता की लहर दौड़ गई है।

मानवाधिकार आयोग ने राजू गुप्ता के नजदीकी रिश्तेदार ढूँढने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। पुलिस हिरासत में हुई राजू गुप्ता की मौत का मामला अब भी सुर्खियों में बना हुआ है। मानवाधिकार आयोग ने उत्तर प्रदेश सरकार और आगरा पुलिस को निर्देश दिया है कि मृतक के किसी नजदीकी रिश्तेदार का पता लगाया जाए और उन्हें पांच लाख रुपए का मुआवजा दिया जाए। आयोग ने चेतावनी भी दी है कि चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट न मिलने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, राजू गुप्ता की पुलिस हिरासत में मौत के मामले में न्यायालय ने पुलिस को दोषी मानते हुए दरोगा अनुज सिरोही को दस साल और शिकायतकर्ता अंशुल प्रताप सिंह को सात साल की सजा सुनाई थी। इस प्रकरण की शिकायत मानवाधिकार कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता नरेश पारस ने मानवाधिकार आयोग में दर्ज कराई थी। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और शासन को कई नोटिस भेजे और मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की सिफारिश की। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, राजू गुप्ता की मां रेनू गुप्ता का निधन हो चुका है और फिलहाल कोई अन्य नजदीकी रिश्तेदार सामने नहीं आया है। इसी को ध्यान में रखते हुए मानवाधिकार आयोग ने डीएम और एसएसपी (वर्तमान में कमिश्नर) आगरा को निर्देश दिया कि वे मृतक के परिवार का पता लगाएं और आयोग को रिपोर्ट प्रस्तुत करें। मानवाधिकार कार्यकर्ता नरेश पारस ने कहा कि पुलिस हिरासत में लोगों के साथ अमानवीय व्यवहार और यातनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि पुलिस को अपनी कार्यप्रणाली सुधारनी होगी और आमजन के साथ व्यवहार में सुधार लाना होगा। आयोग ने साफ कहा है कि चार सप्ताह के भीतर अपेक्षित रिपोर्ट न आने पर संबंधित प्राधिकारी के खिलाफ पीएचआर अधिनियम, 1993 की धारा 13 के तहत दंडात्मक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी, जिसमें अधिकारी की व्यक्तिगत उपस्थिति भी सुनिश्चित होगी। यह मामला न केवल पुलिस हिरासत में उत्पीड़न के खिलाफ चेतावनी है, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा और मृतक परिवार के हक में न्याय सुनिश्चित करने का भी प्रतीक बन गया है।

ईद की नमाज में उमड़ा जनसैलाब, गले मिलकर दी मुबारकबाद

जसवंतनगर, इटावा। क्षेत्र में पूरे उल्लास, आस्था और भाईचारे के साथ मनाया गया। रमजान के महीने भर रोजे रखने के बाद सुबह हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग ईदगाह पहुंचकर नमाज अदा करने के लिए उमड़ पड़े।

सुबह हल्के कोहरे और गुलाबी ठंड के बावजूद लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। फजिर की नमाज के बाद ही लोग ईद की तैयारियों में जुट गए थे। नए-नए कपड़े, रंग-बिरंगी टोपियां और सुगंधित इत्र लगाए लोग खुशी के साथ ईदगाह की ओर बढ़ते नजर आए। छोटे बच्चों में ईद को लेकर खास उत्साह देखने को मिला, वहीं बुजुर्ग भी बड़ी श्रद्धा के साथ नमाज अदा करने पहुंचे। नमाज शुरू होने से पहले ही ईदगाह का विशाल मैदान नमाजियों से खचाखच भर गया और आसपास की सड़कें भी लोगों से गुलजार हो उठीं। करीब साढ़े आठ बजे ईदगाह के पेश इमाम ने नमाज अदा कराई और इसके बाद खुतबा सुनाया। अपने संबोधन में उन्होंने रमजान की अहमियत बताते हुए कहा कि यह महीना इंसान को सब्र, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि अल्लाह रोजेदारों से खुश होकर ईद का दिन इनाम के तौर पर देता है और इस दिन की गई दुआएं विशेष रूप से कबूल होती हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि ईद की खुशियां आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ मनाएं तथा ऊंच-नीच और भेदभाव को भूलकर एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटें। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। ईदगाह परिसर में भाईचारे का सुंदर दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर कस्बे के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हिंदू समुदाय के लोगों ने भी ईदगाह पहुंचकर आपसी सौहार्द की मिसाल पेश की और एक-दूसरे को बधाई दी। इस मौके पर समाजवादी पार्टी नगर अध्यक्ष राहुल गुप्ता, पालिका अध्यक्ष सत्यनारायण शंखवार, सांसद प्रतिनिधि हाजी मोहम्मद शमीम और विधायक प्रतिनिधि अजेंद्र सिंह गौर सहित कई गणमान्य लोगों ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी और भाईचारे का संदेश दिया। दिनभर नगर में ईद मिलन का सिलसिला चलता रहा, जहां लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर सेवइयां और अन्य पकवानों का आनंद लिया।

त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। उपजिलाधिकारी कुमार सत्यमजीत, क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में पुलिस बल ने ईदगाह और नगर क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

गांव रुदायन रामोत्सव में गूँजा जयघोष, बच्चों को संस्कारवान बनाने की अपील

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव रुदायन में प्राचीन बूढ़े महादेव मंदिर में विश्व हिंदू परिषद द्वारा आयोजित भव्य श्रामोत्सवश भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ सुबह से ही सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के पाठ से पूरा गांव राममय हो गया।

महिलाओं और बजरंग दल के कार्यकताओं ने सामूहिक संकीर्तन कर समां बांध दिया।मुख्य वक्ता डॉ. अमित भार्गव ने जोर दिया कि बच्चों को पाश्चात्य संस्कृति से बचाकर अपनी जड़ों और धार्मिक संस्कारों से जोड़ना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता योगेश वार्ष्णेय ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक व बजरंग दल के प्रखंड संयोजक अंकित उपाध्याय, सहमंत्री जयपाल सिंह कुशवाहा, सचिन भार्गव, सहसंयोजक विक्की कुशवाहा मंजू शर्मा, सुखवीरी देवी, रानी देवी, रिंकी कुमारी, सपना, मिथलेश देवी, केला देवी, प्रिया शर्मा, मीना देवी, कमलेश देवी, सरोज देवी, गीता शर्मा, रजनी देवी, श्रीमती देवी,विथलेश शर्मा, सरोज शर्मा, ओमवती देवी, सविता कुमारी, अनीता देवी, सहित गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति और बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

नवरात्रि पर देवी मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

ब्रह्माणी देवी मंदिर के लख्खी मेले में भक्तों का सैलाब

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर/अहेरीपुर, इटावा। जनपद के जसवंतनगर और अहेरीपुर क्षेत्र में देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर नजर आ रहा है।

जसवंतनगर क्षेत्र की बीहड़ी ग्राम पंचायत नगला तौर से गुजरने वाली यमुना नदी की तलहटी में स्थित प्राचीन सिद्धपीठ में चल रहे लख्खी मेले के तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। भोर होते ही दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ पड़ी और जयकारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। महिलाएं, पुरुष और बच्चे माता के दर्शन के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए और माता से सुख-समृद्धि की कामना की। मेले में ग्रामीण अंचलों के साथ-साथ आसपास के जनपदों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचीं और पुलिस बल की

तैनाती का निरीक्षण किया। उन्होंने बढ़पुरा थाना प्रभारी निरीक्षक, बलरई थाना प्रभारी निरीक्षक तथा अन्य पुलिस कर्मियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और महिला व पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाकर दर्शन कराने के निर्देश दिए। वहीं अहेरीपुर कस्बा और आसपास के गांवों में भी देवी मंदिरों को सजाया गया है। ग्राम इंद्रावखी के देवी मंदिर में जवारे बोए गए हैं।

अहेरीपुर गांव के पश्चिमी किनारे स्थित सिद्धेश्वरी दुर्गा देवी मंदिर और अंदावा-अछल्दा मार्ग के किनारे शिवालय के सामने स्थित सिद्धेश्वरी दुर्गा माता के दरबार में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी जा रही है। बताया जा रहा है कि तिथियों में घट-बढ़ के कारण इस वर्ष नवरात्रि आठ दिनों तक ही मनाई जा रही है। गांवों में जगह-जगह जवारे बोए गए हैं, जिन्हें नवमी के दिन देवी मंदिरों में चढ़ाया जाएगा। रात्रि के समय गांवों में महिलाओं द्वारा देवी गीत और पुरुषों द्वारा अचरी गीतों का गायन किया जा रहा है, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है।

मेले और मंदिरों में प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह पुलिस बल तैनात कर भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे श्रद्धालु सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल में माता के दर्शन कर सकें।

कथा के तीसरे दिन परीक्षित जन्म और शुकदेव आगमन की सुनाई कथा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। परिसर में चल रही कथा के तीसरे दिन कथा व्यास ने राजा परीक्षित के जन्म तथा शुकदेव जी के आगमन का प्रसंग विस्तार से सुनाया। कथा का श्रवण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। नव दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के तृतीय दिवस आचार्य साकेत बिहारी दीक्षित जी महाराज ने बताया कि ने अपने पिता की युद्ध में मृत्यु से क्रोधित होकर पांडवों को नष्ट करने के लिए ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया। उसी ब्रह्मास्त्र के प्रभाव से के गर्भ से राजा का जन्म हुआ। कथा में आगे बताया गया कि जब राजा परीक्षित बड़े हुए तो उनका राज्य सुख-समृद्धि से परिपूर्ण था। एक दिन वह के आश्रम पहुंचे, लेकिन मुनि तप में लीन होने के कारण उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। इसे अपमान समझकर राजा परीक्षित ने निकट पड़े मृत सर्प को उठाकर मुनि के गले में डाल दिया और वहां से चले गए। जब मुनि के

पुत्र ने अपने पिता के गले में मृत सर्प देखा तो क्रोधित होकर श्राप दे दिया कि जिसने भी यह कार्य किया है, उसकी सात दिनों के भीतर सर्पदंश से मृत्यु हो जाएगी। श्राप की जानकारी होने पर राजा परीक्षित ने अपने दरबार में विद्वानों को बुलाकर उपाय पूछा। विद्वानों ने उन्हें का नाम सुझाया। इसके बाद हरिद्वार में शुकदेव भगवान का आगमन हुआ और उन्होंने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत की कथा सुनाकर उन्हें मोक्ष का मार्ग बताया। कथा के दौरान मुख्य यजमान एवं उनकी पत्नी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर भक्ति रस का आनंद लिया।

पुरानी रंजिश में घर में घुसकर महिला व बेटे पर हमला

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। थाना ढोलना क्षेत्र के ग्राम भामो में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने घर में घुसकर महिला और उसके चार वर्षीय बेटे के साथ मारपीट कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने महिला के कपड़े फाड़ दिए और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार बीती 16 मार्च को दोपहर के समय वह अपने घर में खाना बना रही थी, जबकि उसका चार वर्षीय पुत्र घर में खेल रहा था। तभी गांव के ही कुछ लोग लाठी-डंडे और लोहे की रॉड लेकर घर में घुस आए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया कि हमलावरों ने महिला के सिर पर लोहे की रॉड से वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव में आए उसके बेटे को भी पीटा गया, जिससे उसके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब जाकर किसी तरह मां-बेटे को बचाया जा सका। पीड़िता ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और उसे जमीन पर घसीटते हुए अभद्रता की। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़िता का कहना है कि इससे पहले भी आरोपियों के खिलाफ थाना ढोलना में मुकदमा दर्ज है, जिसे वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। विरोध करने पर दोबारा हमला किया गया।

तेज रफ्तार का कहर

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिले के अमापुर थाना क्षेत्र में शनिवार को तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला, जहां दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल अंशुल (20) पुत्र जगदीश निवासी बिनपुरकला शनिवार को करीब 12 बजे कचेला-बिनपुरकला मार्ग पर बाइक से जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही दूसरी बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अंशुल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अमापुर में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में घायल का उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने तीन वाहन चोरो किया गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे में चोरी की तीन बाइक भी की बरामद

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सहावर थाना पुलिस ने शुक्रवार की शाम चेकिंग के दौरान वाहन चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की तीन बाइक बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी जुटाया है। आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश किया है।

सहावर थाना पुलिस शुक्रवार की रात करीब सवा नौ बजे चांडी रोड पर बडा गांव कोटरा वाले तिराहा पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को तीन अलग-अलग बाइकों पर तीन सवार आते दिखाई दिए। पुलिस ने हाथ देकर तीनों को रोक लिया और उनसे पूछताछ शुरू कर दी। इस पर बाइक सवार सकपका गए। पुलिस ने जब कड़ाई से पूछताछ की तो आरोपियों ने बाइक चोरी की बताई। इसके बाद पुलिस ने तीनों चोरों को हिरासत में ले लिया। चोरों ने अपना नाम रंजीत पुत्र कुंवरपाल निवासी इखौना

ढोलना, ब्रजेश पुत्र रामनरेश निवासी रामछितौनी गंजडुंडवारा, अब्दुल गफ्फार पुत्र अब्दुल सलाम निवासी मोहल्ला आबाजी गंजडुंडवारा बताया। आरोपियों ने बताया कि वाहन चोरी की इन घटनाओं में सरताज पुत्र सरवरे आलम निवासी रामछितौनी गंजडुंडवारा, पिंटू उर्फ पिंटा पुत्र रामनिवास निवासी नगला छेदा गंजडुंडवारा भी संलिप्त रहे हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की भी पुलिस ने तलाश तेज कर दी है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में इंस्पेक्टर सहावर गोविंद बल्लभ शर्मा, इंस्पेक्टर क्राइम चंद्रेश गौतम, एसआई कुंवरपाल सिंह, एसआई रामकेश, एसआई श्यौराज सिंह व अन्य हमराह शामिल रहे।

रूहानी एहसास के रंग में सराबोर रहा चकरनगर, शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

चकरनगर, इटावा। चकरनगर क्षेत्र में का पर्व रूहानी सुकून, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। रमजान के मुकद्दस महीने की इबादतों के बाद ईद की सुबह मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नमाजियों ने शिरकत कर देश में अमन, तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। सुबह की पहली किरण के साथ ही नए और साफ-सुथरे परिधानों में सजे लोग इबादतगाहों की ओर बढ़ते नजर आए। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी और खुशियां साझा कीं। चकरनगर क्षेत्र के ग्राम नगला चौप की मस्जिद में ईद की नमाज का विशेष आकर्षण देखने को मिला। यहां दूर-दराज के गांवों से आए नमाजियों ने एक साथ सजदा कर सामूहिक आस्था की मिसाल पेश की। वहीं क्षेत्र के कई लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर नमाज अदा करने के लिए भी पहुंचे। कोई लखना की ऐतिहासिक ईदगाह तो कोई बकेवर की मस्जिदों में नमाज पढ़ने गया, जबकि कुछ लोग इटावा शहर की बड़ी ईदगाहों में नमाज अदा करने पहुंचे। ईदगाहों और मस्जिदों के इमामों ने नमाज के बाद अपने खुतबे में इंसानियत, करुणा, भाईचारा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया।

कार ने बाइक में मारी टक्क्कर, गर्भवती महिला की मौत, दो घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। कासगंज बरेली मार्ग पर शनिवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में एक गर्भवती महिला की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब तीनों लोग बाइक से

अलीगढ़ स्थित मायके ईद मिलन में शामिल होने जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, मृतका अफसा (28) पत्नी यूनिश निवासी कछला थाना उझानी, जिला बदायूं की शादी मई 2025 में हुई थी और वह गर्भवती थीं। अफसा अपने पति यूनिश (30) दूसरी बाइक सवार दिलशाद (28) पुत्र शमशाद निवासी रेवाड़ी मोहल्ला, कोतवाली एटा के साथ अलग अलग बाइक से अलीगढ़ जा रहे थे जैसी ही सोरों कोतवाली क्षेत्र के गोरह चैकी के समीप रतन दुलारे हॉस्पिटल के सामने दोनों की बाइक आपस में भीड़ गई सामने से आ रही चार पहिया वाहन से दोनों बाइक सवार की टकर हो गई । हादसे में अफसा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि यूनिश और दिलशाद गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत गंभीर होने पर अलीगढ़ रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम गृह भेज दिया है। मृतका की ननद सायरा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि परिवार में इस हादसे के बाद मातम पसरा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

शराब के नशे में फिसली बाइक, तीन किशोर घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद के अमापुर क्षेत्र में शनिवार दोपहर सड़क हादसे में एक ही बाइक पर सवार तीन किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा नगला गुलरिया के पास करीब एक बजे हुआ, जब बाइक अनियंत्रित होकर टकरा गई। घायलों में अंकित (18) पुत्र कोमल, आकाश (16) पुत्र रमेश और आमिर (18) पुत्र अली मोहम्मद, निवासी सुभाष नगर कस्बा अमापुर शामिल हैं। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। घटना की जानकारी रामगोपाल तहेरा भाई ने दी। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जुट गई और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमापुर में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में तीनों का उपचार चल रहा है।

जिला अस्पताल से चोरों ने अधिवक्ता की बाइक उठाई, रिपोर्ट दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र के मामों स्थित जिला अस्पताल से गत शुक्रवार को अज्ञात चोरों ने एक अधिवक्ता की बाइक चोरी कर ली। मामले में पीडित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में अधिवक्ता यतेंद्र कुमार पुत्र ओमप्रकाश राजपूत निवासी नगला खंगार ढोलना ने बताया है कि गत 20 मार्च की दोपहर एक बजे करीब वह अपनी बाइक से पत्नी के काम के लिए जिला अस्पताल आया था। उसने अपनी बाइक जिला अस्पताल परिसर में खडी की और काम के लिए चला गया। कुछ देर बाद जब वह लौटकर आया तो बाइक गायब मिली। इसके बाद उसने डायल 112 पर पुलिस को जानकारी दी। इसके बाद कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाइ शुरू कर दी है।

मारपीट के मामले में पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। शहर कोतवाली क्षेत्र में हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच नामजद आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। रिपोर्ट में आदित्य कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी नगला बेरी ने बताया है कि उसके परिवार की सार्वजनिक बैठक है। इस बैठक के बाहर खरंजा हो रहा था। जब उसने प्रधान के पुत्र से खरंजा के बाबत कुछ कहा, तभी वह आग बबूला हो गया। इसके बाद अनेग सिंह, राकेश कुमार, शेखर, रंजीत, अंजू ने गाली गलौज व मारपीट शुरू कर दी। इस मारपीट में उसके शरीर के कई हिस्सों में चोट आई हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग ने बिना पंजीकरण के चल रहे क्लीनिक को किया सील

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। सोरों कोतवाली क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शनिवार को कार्रवाई की। एक मासूम की मौत के मामले में लापरवाही पर क्लीनिक सील किया गया है। जबकि संचालन में लापरवाही पर पैथोलॉजी लैब पर नोटिस चस्पा कर जबाव मांगा गया है। उचित जबाव नहीं दिए जाने पर विभागीय कार्रवाई की चेतावनी दी है। बता दें कि सोरों के गांव फरीदनगर निवासी सात माह के मासूम धीरज की बरकुला रोड स्थित निजी चिकित्सक जगदीश के क्लीनिक पर उपचार लेने के बाद मौत हो गई थी। परिजनों के आरोप के बाद स्वास्थ्य विभाग ने घटना का संज्ञान लिया। सीएमओ डा. राजीव अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने चिकित्सक के क्लीनिक पर जांच पड़ताल की। बिना पंजीकरण के संचालित मिलने पर नोडल अधिकारी डा. कुंवर उत्कर्ष व उनकी टीम ने क्लीनिक को सील करने की कार्रवाई की। नोडल अधिकारी ने बताया कि रवि कुमार नाम के युवक ने पैथोलॉजी लैब पर जांच के दौरान ब्लड सेंपल एक किशोर द्वारा लिए जाने की शिकायत की थी। बताया था कि सेंपल लेते समय लापरवाही बरतने से उसके हाथ में सूजन आ गई, संक्रमण के भी लक्षण दिखे। इसके बाद टीम ने पैथोलॉजी लैब पर पहुंचकर नोटिस चस्पा किया और जबाव मांगा है। सीएमओ डा. राजीव अग्रवाल ने कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा।

अमांपुर में हर्षोल्लास से मनाई ईद उल फितर, अमन-चैन की मांगी दुआ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अमांपुर कस्बे के कॉलेज रोड स्थित ईदगाह परिसर में मुस्लिम समाज के हजारों लोगों ने ईद उल फितर की नमाज अदा कर मुल्क की सलामती व तरक्की के लिए दुआएं मांगी। खतीब व इमाम-ए-ईदगाह मौलाना अब्दुल अहद नवाज खान मरकजी ने ईदगाह के अंदर नमाज अदा कराई। इसके बाद अन्य मस्जिदों में नमाज अदा करने का सिलसिला चलता रहा। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर एसडीएम सहावर सुरेन्द्र नारायण त्रिपाठी, सीओ सहावर शाहिदा नसरीन, थाना प्रभारी दिनेश सिंह, राजस्व निरीक्षक पृथ्वीराज सिंह, लेखपाल राजेश यादव, कस्बा इंचार्ज अवधेश कुमार दुबे, एसआई राकेश यादव, एसआई मनोज शर्मा, एसआई परमेश्वर सिंह, एसआई जगदीश सिंह, एसआई विक्रम सिंह, एसआई हरिप्रसाद सिंह, एसआई महेश मोर्य आदि ईदगाह के बाहर तैनात रहे।

सोशल मीडिया पर चला मुबारकबाद

ईद की मुबारकबाद देने के लिए लोगों ने सोशल मीडिया का भी सहारा लिया। सोशल मीडिया के माध्यम से लोग दिन भर ईद की मुबारकबाद देते रहे। इस मौके पर मौलाना मुफीजुददीन नूरी, मौलाना साजिद हुसैन, इमाम राशिद खान, चेयरमैन चांद अली खान, नसीर खान, शकील खान, चमन मियां, अनीस अहमद, मुन्ने खान, रियाज खान, नूरस्लाम फारूकी, रफन खां अरबाज खान, छोटे मियां, अरबाज खान, शाहरुख खान, बहारे मियां, सद्दाम हुसैन, अरकान, मेहंदी हसन, फाईम आदि मौजूद रहे।

चलती टेज्न के आगे महिला लगाई छलांग, मौत पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। गंजडुंडवारा कोतवाली क्षेत्र में डिग्री कालेज के निकट चलती ट्रेन के आगे एक महिला ने छलांग लगा दी। कुछ ही देर में ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के प्रयास किए। शिनाख्त के बाद पुलिस ने महिला को शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस के मुताबिक डिग्री कालेज के निकट एक महिला की ट्रेन की चपेट में आकर मौत होने की जानकारी मिली। सूचना के बाद जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंच गई। घटना स्थल का मौका मुआयना कर शव कब्जे में ले लिया और शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए। काफी देर महिला की शिनाख्त 50 वर्षीय संगीता पत्नी गिरीश चंद्र निवासी दहेली बुजुर्ग थाना सिढपुरा के रूप में हुई। सूचना के बाद परिवारी जन भी विलाप करते हुए मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि महिला करीब 40 मिनट से बैठी हुई थी। कासगंज से अनवरगंज जाने वाली एक्सप्रेस सवारी गाड़ी संख्या 15040 गंजडुंडवारा सुबह साढ़े नौ बजे आती है। जैसे

ही यह ट्रेन महिला से थोड़ी दूर रह गई, तभी महिला दौड़कर गाड़ी के नीचे लेट गई और कुछ ही देर में ट्रेन ने उसके शरीर के दो हिस्से कर दिए। महिला की मौत के बाद काफी देर तक ट्रेन रुकी रही। पुलिस द्वारा शव हटाए जाने के बाद ही ट्रेन गंतव्य को रवाना हो सकी। शिनाख्त के बाद मृतका के परिजन भी विलाप करते हुए मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक में मारी टक्कर, दो युवक घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जिले में तेज रफ्तार वाहनों का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार दोपहर सदर कोतवाली क्षेत्र में एक आर्टिका कार ने बाइक सवारों को साइड मार दी, जिससे दो युवक घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, मेहरुद्दीन पुत्र हमीद खां और फारूक अली पुत्र साविर अली निवासी भूतेश्वर रोड, थाना नगर कोतवाली एटा शनिवार को करीब 4 बजे बाइक से जा रहे थे। जैसे ही वह कासगंज क्षेत्र के बकनेर के पास रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे, तभी तेज रफ्तार आर्टिका कार ने उनकी बाइक को साइड मार दी। टक्कर लगते ही दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल एंबुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में दोनों घायलों का उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। वहीं, घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

कड़ी सुरक्षा के बीच कासगंज में शांति और सौहार्द के साथ अदा हुई ईद की नमाज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। जनपद में ईद उल-फितर का पर्व इस वर्ष अमन, भाईचारे और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। जिले भर में 72 ईदगाहों और 211 मस्जिदों में हजारों नमाजियों ने सुबह ईद की नमाज अदा कर देश में सुख-शांति, तरक्की और आपसी सौहार्द की दुआ मांगी।

सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों के बाहर लोगों की भारी भीड़ देखी गई। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और खुशियां साझा कीं। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह नजर आया, वहीं बाजारों में भी रौनक देखने को मिली।

त्योहार को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। जिलाधिकारी प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश सिंह ने स्वयं व्यवस्थाओं की निगरानी की। संवेदनशील

क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जबकि ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से पूरे क्षेत्र पर नजर रखी गई। प्रशासन की सक्रियता के चलते कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। इस अवसर पर कारी मोहेब्बे अली मौलाना ने कहा कि ईद हमें भाईचारे, मोहब्बत और इंसानियत का संदेश देती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे आपसी मतभेद भुलाकर समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखें।

जिला कांग्रेस कमेटी ने लगाया शिविर

जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा ईदुल फितर के अवसर पर जिलाध्यक्ष मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में ईद मिलन समारोह का शिविर लगाया गया और मुस्लिम भाई से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी गई। ईदुल फितर का पर्व आपस भाईचारा, अमन, समृद्धि और प्रेम का पर्व है। हम दुआ करते हैं अल्लाह आपकी इबादत को कबूल करें और आप सभी के जीवन में सुख, शान्ति और बरकत लाये। सभी को ईद मुबारक का पावन संदेश जिलाध्यक्ष पाण्डेय ने दिया। इस मौके पर मुनेन्द्रपालसिहं एडवोकेट, सत्यप्रकाश गुप्ता, नूरमुहम्मद नूरी, महेंद्रसिंह एडवोकेट,अमित यादव एडवोकेट,सत्येंद्र पाल सिंह बैस एडवोकेट,गुलफान सिंह यादव , जितेन्द्र चैहान, आर्चिक मिश्रा, प्रतिभा सिंह, ऊषापाल, देशबंधु, अमर दीन अंसारी,चमन, शब्बन, राजा सलमानी, दीप कुमार पाण्डेय, विमलकुमार सिंह,आत्माराम भारद्वाज,नन्द किशोर, अर्जुन बाल्मीकि,साजिल मियां,रजनीश उपाध्याय आदि लोग उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष विक्रम यादव ने भी जिलेवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार खुशियों और आपसी प्रेम का प्रतीक है। उन्होंने सभी से मिल-जुलकर त्योहार मनाने और समाज में भाईचारे को मजबूत करने की अपील की। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने बताया कि जिले में ईद का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ है। प्रशासन ने पहले से ही सभी जरूरी तैयारियां कर ली थीं और हर स्तर पर निगरानी रखी गई। उन्होंने कहा कि प्रशासन आगे भी इसी तरह जनसहयोग के साथ शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। कुल मिलाकर कासगंज में ईद का त्योहार सौहार्द और एकता की मिसाल बनकर सामने आया, जहां प्रशासन और आमजन के सहयोग से यह पर्व सकुशल संपन्न हुआ।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बालक घायल, चालक फरार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कासगंज। कासगंज-बरेली मार्ग पर शनिवार शाम एक तेज रफ्तार चारपहिया वाहन की टक्कर से बालक घायल हो गया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। गांव मामों, थाना क्षेत्र कासगंज निवासी पंकज पुत्र जयवीर सिंह 7 वर्ष शनिवार शाम करीब 5 बजे अपनी मां के साथ खेत पर जा रहा था। इसी दौरान कासगंज की ओर से तेज गति से आ रहे चारपहिया वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पंकज सड़क पर गिरकर घायल हो गया, जबकि चालक मौके से गाड़ी लेकर भाग निकला। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल पंकज को तुरंत जिला अस्पताल कासगंज में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है।

छोटी खबरें

नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना रसूलाबाद पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार एक फरवरी को थाना रसूलाबाद में वादी की तहरीर के आधार पर मुकदमा संख्या 44/2026 धारा 137(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर धारा 64(1) भारतीय न्याय संहिता तथा 3/4 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की बढ़ोत्तरी करते हुए धारा 61(2) को हटा दिया गया। मामले की जांच के दौरान शनिवार को थाना रसूलाबाद पुलिस ने आरोपी अजय कुमार (24) पुत्र स्वर्गीय राजेंद्र कुमार निवासी ग्राम माल का पुरवा, थाना रसूलाबाद, जनपद कानपुर देहात को माल का पुरवा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

उधारी के पैसे को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, आधा दर्जन से अधिक घायल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर, इटावा। नगला कंचनिया गांव में उधारी के पैसे मांगने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने से आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी रंनधौर सिंह ने अवनीश कुमार से खेती से जुड़े उधार के पैसे मांगे थे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते गाली-गलौज और मारपीट में बदल गई। शोर-शराबा सुनकर दोनों पक्षों के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए और एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में एक पक्ष से अवनीश कुमार (35) पुत्र राम सिंह घायल हो गए, जबकि दूसरे पक्ष से रामवीर (53), रंनधौर (50), नरेंद्र सिंह (26), पुष्पा देवी (35), जितेंद्र (25) और अखिलेश (16) घायल हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। उपनिरीक्षक शुभम वर्मा और शिव शंकर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल रंनधौर को जिला अस्पताल भेज दिया गया। थानाध्यक्ष KÔmÔl BhÔti ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। सभी घायलों का चिकित्सीय परीक्षण करा दिया गया है।

राज्य गौ सेवा आयोग के सदस्य ने किया वाटर पार्क का शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

इटावा। विकास खंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत में नवनिर्मित वाटर पार्क का शनिवार को राज्य गौ सेवा आयोग के सदस्य एवं दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत में संचालित गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनपद भ्रमण पर आए डॉ. रमाकांत उपाध्याय दोपहर में हरराजपुर गांव पहुंचे। यहां उन्होंने रुद्रप्रताप उर्फ लल्ला शर्मा द्वारा निर्मित वाटर पार्क का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वाटर पार्क संचालक और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका फूल-मालाओं से स्वागत किया। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व ब्लॉक प्रमुख महेवा , प्रधान लालपुर प्रधान प्रतिनिधि नागरी लोलपुर तथा सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद उन्होंने ग्राम पंचायत द्वारा संचालित गौशाला का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम प्रधान खंड विकास अधिकारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत ग्राम सचिव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

त्योहारों के मद्देनजर पुलिस का रूट मार्च, सुरक्षा का दिया संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अकबरपुर, कानपुर देहात। त्योहारों के मद्देनजर शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा प्रभावी रूट मार्च किया गया। यह रूट मार्च पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में क्षेत्राधिकारियों और स्थानीय पुलिस बल की मौजूदगी में आयोजित किया गया। रूट मार्च के दौरान पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों के प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों और भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सुना और त्योहारों के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि पर सतर्क रहने का भरोसा दिलाया। इस दौरान पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे नव नियुक्त आरक्षियों को भी वास्तविक कार्यक्षेत्र में उतारा गया। प्रशिक्षण के तहत उन्हें फुट गश्त, सामरिक निगरानी, स्थानीय नागरिकों से संवाद और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया जैसे अभ्यास कराए गए, जिससे उनके व्यवहारिक अनुभव में वृद्धि हो सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रूट मार्च का उद्देश्य कस्बों, बाजारों और संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस की सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हुए आमजन में सुरक्षा का भरोसा कायम करना और त्योहारों के दौरान शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखना है। पुलिस की इस पहल से नागरिकों में विश्वास बढ़ा है और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है।

सोमवार को तहसील सिकंदरा में होगा जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस

सिकंदरा, कानपुर देहात। तहसील सिकंदरा में सोमवार को जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी करेंगे। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान आमजन की समस्याएं सुनकर उनका निस्तारण कराया जाएगा। इसके बाद जिलाधिकारी द्वारा तहसील कार्यालय सिकंदरा का निरीक्षण भी किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत अपराह्न 3:30 बजे विकास खंड राजपुर के ग्राम उमरपुर में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। चौपाल में क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

प्लास्टिक रिसाइक्लिंग फैक्ट्री की शिकायत पर जांच करने पहुंचे अधिकारी

मौके से धुएं और पानी के नमूने लिए, ग्रामीणों को कार्रवाई का इंतजार

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। तहसील अकबरपुर क्षेत्र के जैनपुर इलाके में रिहायशी बस्ती के बीच संचालित प्लास्टिक रिसाइक्लिंग फैक्ट्री से फैल रहे प्रदूषण की शिकायत के बाद प्रशासन और प्रदूषण विभाग की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने फैक्ट्री परिसर का निरीक्षण कर धुएं और केमिकल युक्त पानी के नमूने भी लिए।

ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले करीब पांच वर्षों से संचालित इस फैक्ट्री से निकलने वाला जहरीला धुआं, माइक्रो प्लास्टिक के कण और केमिकल युक्त गंदा पानी आसपास के वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। इसके कारण क्षेत्र के लोगों, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को सांस लेने में परेशानी हो रही है और विभिन्न बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। शिकायत के बाद पहुंचे अधिकारियों ने फैक्ट्री के आसपास का निरीक्षण किया और प्रदूषण की स्थिति का आकलन किया। इस दौरान टीम ने नालों में छोड़े जा रहे पानी और फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि फैक्ट्री का अपशिष्ट शोधन संयंत्र लंबे समय से बंद है और केमिकल युक्त पानी बिना शोधन के नालों और जमीन में छोड़ा जा रहा है। इससे भूजल के प्रदूषित होने की आशंका भी जताई जा रही है। वहीं, फैक्ट्री से कुछ ही दूरी पर संचालित विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर भी अभिभावकों में चिंता बनी हुई है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि क्षेत्र के लोगों का कहना है कि पहले भी कई बार शिकायतें की गईं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अब देखने वाली बात यह होगी कि जांच रिपोर्ट के आधार पर फैक्ट्री के खिलाफ वास्तविक कार्रवाई होती है या फिर इसे क्लीन चिट देकर दोबारा उसी तरह संचालित होने दिया जाएगा।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त हथियार के साथ आरोपी को दबोचा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

डेरापुर, कानपुर देहात। पत्नी की हत्या के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने सिर पर बसूले से वार कर पत्नी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को घटना में प्रयुक्त हथियार के साथ दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार ग्राम भारापुरवा थाना रूरा निवासी रवि कश्यप ने तहरीर देकर बताया था कि उसकी बहन मिथलेश की हत्या उसके पति रजत कश्यप ने कर दी है। आरोप है कि रजत कश्यप ने सिर पर गंभीर चोट मारकर उसकी बहन की जान ले ली। तहरीर के आधार पर थाना डेरापुर में मुकदमा संख्या 61/2026 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत रजत कश्यप के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी रजत कश्यप पुत्र मेवालाल निवासी ग्राम उरसान थाना डेरापुर को डेरापुर से रसधान जाने वाली सड़क पर उरसान मोड़ के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त बसूला भी बरामद किया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

ईद के पर्व पर पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ईदगाहों, मस्जिदों व प्रमुख मार्गों का किया निरीक्षण, पुलिस बल को सतर्क रहने के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अकबरपुर, कानपुर देहात। पावन पर्व पर शांति, सुरक्षा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को भ्रमणशील रहकर विभिन्न स्थानों की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक ने थाना अकबरपुर क्षेत्र की विभिन्न ईदगाहों, मस्जिदों और प्रमुख आवागमन मार्गों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पर्व की संवेदनशीलता को देखते हुए पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए और सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही क्षेत्र में लगातार गश्त कर लोगों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने आमजन से मुलाकात कर उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं और सभी से आपसी भाईचारे व शांति के साथ पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत स्थानीय पुलिस या आपात सहायता सेवा 112 पर सूचना दें। उन्होंने बताया कि जनपद में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं और पुलिस बल चप्पे-चप्पे पर तैनात है, ताकि लोग सुरक्षित वातावरण में हर्षोल्लास के साथ पर्व मना सकें। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी अकबरपुर सहित पुलिस व प्रशासन के अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

सिकंदरा क्षेत्र में भाईचारे के साथ मनाया गया ईद-उल-फितर का पर्व

मोर्निंग सिटी संवाददाता

सिकंदरा, कानपुर देहात। सिकंदरा क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समाज के लोग ईदगाहों और मस्जिदों में पहुंचकर नमाज अदा करते नजर आए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर पुराने गिले-शिकवे भुलाए और ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान देश में अमन-चैन और तरक्की के लिए दुआएं भी मांगी गईं। ईद के अवसर पर विकास खंड राजपुर क्षेत्र के गांव जल्लापुर में एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति की राष्ट्रीय सचिव पहुंचीं, जहां मुस्लिम समाज के लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र और जनपदवासियों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद दीक्षा यादव ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को स्नेह दिया और सभी से आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की। उनके साथ आए कार्यकर्ताओं ने भी मुस्लिम समाज के लोगों से गले मिलकर ईद की हार्दिक बधाई दी। एक उम्मीद जनकल्याण सेवा समिति का कार्यक्रम सेवइयों की मिठास के साथ शुरू हुआ और पूरे दिन जनपद के विभिन्न स्थानों पर चलता रहा। इस दौरान शाहरुख खान, जयपाल, राहुल यादव, मोहम्मद आरिफ, मुईनुद्दीन, ताजुद्दीन, भूरा, सरफराज, हसनैन, तैमूर और अहद समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

विकास खंड स्तर पर जायद गोष्ठी व किसान मेले का आयोजन

किसानों को उन्नत खेती व मक्का उत्पादन की आधुनिक तकनीकों की दी गई जानकारी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

रसूलाबाद, कानपुर देहात। विकास खंड रसूलाबाद परिसर में शनिवार को जायद गोष्ठी व किसान मेले का आयोजन किया गया। शासन के निदेशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों और मक्का उत्पादन से जुड़ी नवीन विधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी कपल सिंह के निर्देशन और मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल के मार्गदर्शन में किया गया। यह आयोजन नव निर्माण के नौ वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित किया गया।

गोष्ठी के दौरान त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत किसानों को मक्का की उन्नत किस्मों, आधुनिक कृषि तकनीकों, उर्वरक प्रबंधन और फसल संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को नई तकनीकों को अपनाकर उत्पादन बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के सुझाव भी दिए। इस अवसर पर शासन की पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों का भी प्रस्तुतीकरण किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी किसानों और आम लोगों को दी गई, ताकि वे इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों की ओर से स्टॉल और प्रदर्शनी भी लगाई गईं। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने इन स्टॉलों का अवलोकन कर योजनाओं और कृषि से संबंधित नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्या , उप कृषि निदेशक हरीशंकर भार्गव , जिला कृषि अधिकारी उमेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, कृषि विशेषज्ञ और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मिशन शक्ति टीम ने भटकी महिला को परिजनों से मिलाया

मानसिक रूप से अस्वस्थ महिला को सकुशल बेटे के सुपुर्द किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

जसवंतनगर, इटावा। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत सक्रिय पुलिस टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए भटकी हुई महिला को सकुशल उसके परिजनों से मिलाया। मिशन शक्ति के पांचवें चरण के दूसरे चरण के तहत उपनिरीक्षक ललित चतुर्वेदी के नेतृत्व में टीम शनिवार को केला देवी मंदिर परिसर में ड्यूटी पर तैनात थी। इसी दौरान वहां एक महिला बदहवास हालत में इधर-उधर भटकती हुई मिली। महिला की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह अपने बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थी।

पुलिस टीम महिला को थाने ले आई, जहां मिशन शक्ति में तैनात महिला आरक्षी रश्मि और सुरेखा ने उससे बातचीत कर समझाने का प्रयास किया। कुछ देर बाद महिला की स्थिति सामान्य होने पर उसने अपना नाम मधुबाला पत्नी अहिवरन सिंह निवासी ग्राम विरुहुनि, थाना अजीतमल, जनपद बताया। इसके बाद उपनिरीक्षक ललित चतुर्वेदी ने थाना अजीतमल पुलिस से संपर्क कर महिला के परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलने पर महिला का पुत्र अंशुल थाने पहुंच गया। आवश्यक पुष्टि के बाद मिशन शक्ति टीम ने महिला को उसके पुत्र के सुपुर्द कर दिया।

महिला के पुत्र ने बताया कि उसकी मां मानसिक रूप से अस्वस्थ हैं और कई बार बिना बताए घर से निकल जाती हैं। मां को सकुशल मिलने पर उसने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

उपजिलाधिकारी के चालक पर बुजुर्गों की जमीन कब्जाने का आरोप

विरोध करने पर जान से मारने की धमकी, न्याय के लिए दर-दर भटक रहे पीड़ित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

कानपुर देहात। मैथा तहसील क्षेत्र में उपजिलाधिकारी के वाहन चालक पर तहसील रसूलाबाद क्षेत्र के दो बुजुर्ग भाइयों की जमीन पर अवैध कब्जा करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ितों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे वे न्याय के लिए महीनों से अधिकारियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

थाना रूरा क्षेत्र के रहने वाले दो बुजुर्ग भाइयों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले उन्होंने जीवन भर की मेहनत और जमा पूंजी से जमीन खरीदी थी। नौकरी के कारण वे लंबे समय तक बाहर रहे, लेकिन सेवानिवृत्ति के बाद जब गांव लौटे तो सोचा था कि अपनी जमीन पर छोटा सा मकान बनाकर सुकून से जीवन बिताएंगे। लेकिन जब उन्होंने जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करने की कोशिश की तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्हें पता चला कि उनकी खरीदी हुई जमीन पर पहले से ही कब्जा कर लिया गया है।

पीड़ितों का आरोप है कि गांव के ही कोमल यादव और उसके परिजनों ने जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। जब उन्होंने अपनी जमीन खाली करने की बात कही तो उनके साथ अभद्रता की गई और उन्हें वहां से भगा दिया गया। इतना ही नहीं, गांव में दोबारा आने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पीड़ितों का कहना है कि आरोपी वर्तमान में मैथा तहसील के उपजिलाधिकारी का चालक है। इसी कारण उसे प्रशासनिक रसूख का लाभ मिल रहा है और तहसील स्तर के अधिकारी कार्रवाई करने से बच रहे हैं। बुजुर्गों का आरोप है कि उन्होंने उपजिलाधिकारी से लेकर जिला अधिकारी तक कई बार शिकायत की, लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका।

दोनों बुजुर्ग भाइयों का कहना है कि उन्होंने पूरी जिंदगी मेहनत कर जो पूंजी जोड़ी थी, उसी से यह जमीन खरीदी थी। अब उसी जमीन पर कब्जा हो जाने से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं। कई महीनों से वे न्याय की उम्मीद में अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कहीं से राहत नहीं मिल रही है। बुजुर्गों का कहना है कि अब उन्हें अपनी जान और सुरक्षा की भी चिंता सता रही है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप कर जमीन खाली कराने और उन्हें सुरक्षा दिलाने की मांग की है।

इस मामले में प्रशासन का कहना है कि शिकायत की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। हालांकि गांव और क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर कब तक इन बुजुर्गों को उनकी जमीन वापस मिल पाएगी या फिर दबंगों का कब्जा ऐसे ही बना रहेगा।

राजकुमार राव की अगली फिल्म 'रफ्तार' में कीर्ति सुरेश होंगी फीमेल लीड

राजकुमार राव आखिरी बार फिल्म 'मालिक' में खूंखार लुक में नजर आए थे। अब उनकी आने वाली फिल्म अनाउंसमेंट हो गई है। एक्टर और मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी शेयर की।

राजकुमार राव अगली फिल्म 'रफ्तार' में नजर आएंगे। उनके साथ साउथ की जानी-मानी एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश लीड रोल में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य निंबालकर कर रहे हैं, जबकि इसे राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा अपने बैनर कम्पा फिल्म के तहत प्रोडयूस कर रही हैं।

फिल्म की कहानी तेजी से बढ़ती स्टार्टअप की दुनिया के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें एक ऐसे लड़के और लड़की की कहानी दिखाई जाएगी जो सफलता पाने के लिए बहुत महत्वाकांक्षी हैं। जैसे-जैसे पैसा, ताकत और लालच बढ़ता है, वैसे-वैसे उनके रिश्ते की भी परीक्षा होने लगती है। बताया जा रहा है कि फिल्म भारत के कॉमर्शियल एजुकेशन सिस्टम पर एक सटायर भी है, जिसमें दिखाया जाएगा कि कैसे कई बार ज्ञान से ज्यादा मुनाफे को अहमियत दी जाती है। कहानी यह सवाल भी उठाती है कि सफलता पाने की कीमत क्या होती है और क्या वह कीमत सच में सही है। जैसे ही पोस्ट शेयर की गई, उसके बाद से ही फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है। फिल्म के नाम को देखकर लोग कयास लगा रहे हैं कि ये रैपर रफ्तार की बायोपिक है, और लोग बड़े उत्साह से कमेंट में रैपर रफ्तार की तारीफें कर रहे हैं। हालांकि अभी ऐसी कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है, जिसमें ऐसा जिक्र किया गया हो कि ये मूवी रैपर रफ्तार की जिंदगी पर आधारित होगी।

कब रिलीज होगी मूवी?

इस फिल्म में राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश के अलावा तान्या मानिकतला, रजत कपूर, अनुराग ठाकुर और रोहन वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सरके चुनर' विवाद से नोरा ने पल्ला झाड़ा

कन्नड़ फिल्म 'केडी' का गाना 'सरके चुनर' विवादों में है। इस गाने पर नोरा फतेही ने डांस किया है। दो दिन पहले ये गाना यूट्यूब पर रिलीज हुआ। रिलीज होते ही यह विवादों में आ गया। विवाद में आने के बाद गाने को मेकर्स ने सोशल मीडिया से हटा लिया है। नोरा फतेही ने इस विवाद से खुद को अलग कर लिया है।

नोरा की पोस्ट में क्या है?

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नोरा फतेही ने अपना एक वीडियो शेयर करते हुए एक पोस्ट लिखी। इसमें उन्होंने लिखा 'मैं बिल्कुल नहीं चाहूंगी कि कोई यह सोचे कि मैं इस गाने का समर्थन करती हूं। आपकी कड़ी प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद, क्योंकि इसी दबाव की वजह से फिल्म बनाने वालों ने इसे हटा लिया है।' उन्होंने आगे कहा 'मैं आप सभी से यह भी गुजारिश करूंगी कि इस गाने को शेयर करना बंद कर दें, क्योंकि आप इसे बेवजह एक प्लेटफॉर्म दे रहे हैं। मैं देख रही हूं कि आप में से कुछ लोग इसे मेरे चरित्र पर हमला करने के एक मौके के तौर पर इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।'

गाने के बारे में नहीं थी जानकारी

उन्होंने आगे कहा 'मुझे इस हिंदी गाने के बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। मैंने इस पर कोई परफॉर्मेंस नहीं दी। मेरी तस्वीर के साथ इसका इस्तेमाल करने के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई थी।' यह गाना 3 साल पहले कन्नड़ भाषा में शूट किया गया था।

लेखक ने झाड़ा पल्ला

ख्याल रहे कि गाने पर विवाद होने के बाद इसके लेखक रकीब आलम ने भी विवाद से अपना पल्ला झाड़ लिया है। उन्होंने कहा कि वह इस गाने को नहीं लिखना चाहते थे, निर्देशक के कहने पर कन्नड़ में लिखे गाने को वर्ड टू वर्ड ट्रांस्लेट किया है।

पहला गाना विवादों में

इस गाने को सिंगर मंगली ने गाया है। वह साउथ की सिंगर हैं। उन्होंने इस गाने से हिंदी में डेब्यू किया था, हालांकि उनका पहला ही गाना विवादों में आ गया।

80 करोड़ में बिके अक्षय और सैफ की 'हैवान' के राइट्स

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म 'हैवान' 2026 की चर्चित रिलीज में शामिल है। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। हाल ही में खबर आई थी कि सोनी नेटवर्क ने फिल्म के सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स हासिल कर लिए हैं। नई जानकारी के मुताबिक इस फिल्म के नॉन-थिएट्रिकल राइट्स 80 करोड़ रुपए की बड़ी रकम में बेचे गए हैं। सूत्रों के अनुसार... 'फिल्म को लेकर बाजार में उत्साह था और कई प्लेटफॉर्म्स इसे खरीदने की होड़ में थे। हालांकि सबसे ऊंची बोली सोनी नेटवर्क की रही, जिसने 80 करोड़ रुपए में सैटेलाइट, डिजिटल और म्यूजिक राइट्स अपने नाम किए। इस डील के साथ ही फिल्म की टीम अपनी लागत का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वसूल कर चुकी है। फिल्म की रिलीज अगस्त महीने में हो सकती है। मेकर्स इसे किसी बड़ी टक्कर से बचाते हुए सोलो रिलीज देना चाहते हैं, ताकि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर साफ रन मिल सके।'

मुश्किल वक्त को खुद पर हावी नहीं होने देता

मुश्किल दौर से हाल ही में निकले कमीडियन व अभिनेता राजपाल यादव ने मुश्किल समय में अपनी भावनात्मक मजबूती और सकारात्मक सोच के बारे में खुलकर बात की। पिछले कुछ महीनों से चल रहे कानूनी मामलों और निजी परेशानियों के बावजूद एक्टर ने हिम्मत नहीं हारी और काम पर पूरा फोकस रखा। आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर अपनी राय रखी। राजपाल यादव से पूछा गया कि क्या ये चुनौतियां उनके काम और मनोबल पर असर डालती हैं। तो उन्होंने बताया, 'हर दिन एक नई शुरुआत होती है। हर दिन काम का दिन होता है। हर दिन एक नया दिन होता है।'

एक्टर ने कहा कि वह मुश्किलों को खुद पर हावी नहीं होने देते, बल्कि हर सुबह नई उम्मीद के साथ उठते हैं और अपनी कला पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बातचीत में सकारात्मकता के लिए ईश्वर का आभार भी जताया। राजपाल यादव ने कहा, 'भगवान सबका भला करे। आजादी से सब सांस लें।' इससे पहले एक्टर ने बताया था कि वह जज के सामने कभी नहीं रोए और न ही कोर्ट को कभी बताया कि उनके पास पैसे नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत और गलत बताया। राजपाल ने बताया कि ऐसी खबरें फैलाने वाले ज्यादातर वे लोग हैं जिन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है। वे बस इंटरनेट पर फैक्ट्स को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं और अपनी दुकानें चला रहे हैं।

निकिता दत्ता ने जुबीन नौटियाल से शादी की खबरों पर की बात

कई सेलेब्रिटीज के बाद अब अभिनेत्री निकिता दत्ता ने भी इंडस्ट्री में होने वाले पीआर गेम पर बात की। साथ ही उन्होंने सुर्खियां बटोरने के लिए फैलाई जाने वाली अफवाहों की खुलकर आलोचना की। इस दौरान एक्ट्रेस ने सिंगर जुबीन नौटियाल के साथ अपने रिलेशनशिप और शादी की खबरों पर भी प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री का कहना है कि वह अनजाने में भी अफवाहों का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं।

बातचीत के दौरान निकिता ने जुबीन नौटियाल के साथ अपनी शादी की अफवाहों पर कहा कि पीआर के बारे में मेरी समझ की बात करें, तो बेशक यह बहुत देर से आई। यह एक ऐसी बात है, जिसका मुझे अफसोस है और काश कबीर सिंह के रिलीज होने के समय मुझे इस बात की थोड़ी बेहतर जानकारी होती कि चीजें कैसे काम करती हैं। दूसरी बात अगर आप इन सभी वर्षों में मेरे करियर को देखें, तो मैंने व्यक्तिगत और निजी जीवन के बीच एक सीमा बनाए रखी है। इस सीमा को मैंने कभी पार नहीं किया है। आपने मेरे बारे में कभी भी मनगढ़ंत अफवाहें नहीं सुनी होंगी। मैं वैसी इंसान नहीं हूं। मैं न तो ऐसी अफवाहें फैलाना पसंद करती हूं और न ही उनका हिस्सा बनना, चाहे अनजाने में ही क्यों न हो। मैं ऐसी चीजों का समर्थन नहीं करती। मार्केटिंग स्ट्रेटजी के बारे में एक्ट्रेस ने कहा कि यह प्रोडक्शन हाउस का निर्णय होता है।

बीते दिनों निकिता को जुबीन नौटियाल के साथ सिंगर के होम टाउन में देखा गया था। इसके बाद ही दोनों के रिलेशनशिप में होने की चर्चाएं सामने आई थीं। हालांकि, अब निकिता ने साफ तौर पर तो शादी के सवाल पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन उन्होंने अफवाहों और पीआर गेम की बात करते हुए इशारों में इसे गप्प बता दिया।

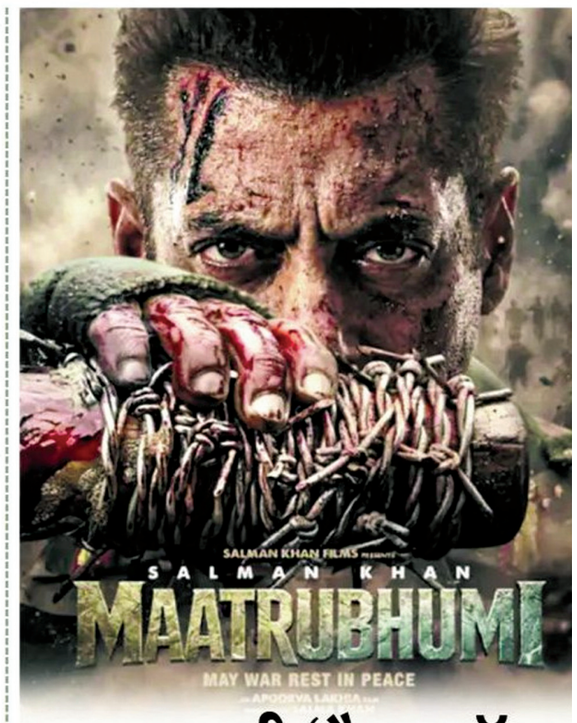

सलमान की 'बैटल ऑफ गलवां' का बदला नाम

सलमान खान की आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब फिल्म की रिलीज से पहले मेकर्स ने फिल्म का नाम ही बदल दिया है। अब सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के नाम से रिलीज नहीं होगी। इसकी जानकारी देते हुए मेकर्स ने फिल्म के नए नाम की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स ने बताया नया नाम

फिल्म के लीड एक्टर और प्रोड्यूसर सलमान खान ने आज फिल्म के नए नाम के साथ एक नया पोस्टर साझा किया है। पोस्टर में सलमान खान सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। इंटेंस लुक में सलमान खान की आंखें दिख रही हैं, जिनमें गुस्सा और जोश नजर आ रहा है। उनके चेहरे पर खून लगा हुआ और वो मोटी जंजीर से बंधी एक लकड़ी को पकड़े दिख रहे हैं। उनके पीछे बैकग्राउंड में युद्ध के दौरान सैनिक नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को साझा करते ही मेकर्स ने फिल्म का नया नाम भी रिवील कर दिया है। अब यह फिल्म 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' के नाम से रिलीज होगी।

क्या आगे बढ़ गई रिलीज डेट?

'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि सलमान खान ने नाम बदलने वाली जो पोस्ट साझा की है, उसमें कहीं भी फिल्म की रिलीज डेट नजर नहीं आ रही है। न ही फिल्म के पोस्टर पर और न ही कैप्शन में कहीं भी 17 अप्रैल या कोई भी रिलीज डेट नहीं दिख रही है। इसके बाद अब सवाल ये भी उठता है कि क्या फिल्म की रिलीज डेट भी आगे बढ़ गई है?

अपूर्व लाखिया ने किया निर्देशन

'मातृभूमि' का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। जबकि फिल्म को सलमान खान फिल्म्स द्वारा के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इसके अलावा फिल्म में गोविंदा के भी नजर आने की संभावना है। यह फिल्म 2020 के दौरान गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है।

डकैत के बाद 'जी2' पर जुटेंगे अदिवि शेष स्पाई ड्रामा 'जी3' भी हो सकती है अनाउंस

भारतीय सिनेमा में क्रॉस-इंडस्ट्री कोलैबोरेशन का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इस वक्त जिस जोड़ी पर सबसे ज्यादा नजरें टिकी हैं, वह है मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष की। दोनों की अपकमिंग फिल्म 'डकैत: ए लव स्टोरी' को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन सूत्र बताते हैं कि यह कोलैबोरेशन केवल एक फिल्म तक सीमित नहीं रहने वाली बल्कि सूत्रों की मानें तो 'डकैत' की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से प्रभावित एक बड़े प्रोडक्शन हाउस ने मृणाल और अदिवि को 2027 की एक और फिल्म के लिए अप्रोच किया है। अगर सब कुछ तय योजना के मुताबिक चला, तो 'डकैत' से शुरू हुआ यह कोलैबोरेशन आने वाले वर्षों में पैन-इंडिया सिनेमा का बड़ा अध्याय साबित हो सकता है। फिलहाल प्रोजेक्ट का नाम सामने नहीं आया है।

एनामॉर्फिक लेंस पर गोल्डन पैलेट में शूट हुई है फिल्म

फिल्म 'डकैत' की शूटिंग ग्रामीण लोकेशन्स और विशाल सेट्स पर की गई है, जो 70-80 के दशक के चंबल के बीहड़ों की याद दिलाते हैं। क्लाइमैक्स का एक बड़ा एक्शन सीन, जिसमें अदिवि घायल हुए थे, फिल्म का टर्निंग पॉइंट होगा। यह हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट और देसी हथियारों वाला रॉ एक्शन सीन है। सिनेमैटोग्राफी शिनिएल देओ संभाल रहे हैं। वह इसे डस्टी और गोल्डन पैलेट के साथ एनामॉर्फिक लेंस पर शूट कर रहे हैं। 'डकैत' के संगीत के लिए अमित त्रिवेदी या हर्षवर्धन रामेश्वर के नाम पर चर्चा है। इसमें चंबल और बुंदेलखंड के कई स्थानीय थिएटर आर्टिस्ट्स को भी कास्ट किया गया है।

'मेजर 2' पर भी शुरू हो सकता है काम

'डकैत' के तुरंत बाद अदिवि शेष अपनी स्पाई फ्रेंचाइज 'जी2' (गुडाचारी 2) पर फोकस करेंगे। यह फिल्म उनकी चर्चित स्पाई फिल्म 'गुडाचारी' की सीक्वल है और 1 मई 2026 को रिलीज के लिए शेड्यूल बताई जा रही है। चर्चा है कि 2027 की शुरुआत में इसके तीसरे पार्ट या बड़े स्पिन-ऑफ की घोषणा भी हो सकती है। 'जी2' में अदिवि के साथ वमिका गब्बी नजर आएंगी। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि इन दो बड़ी रिलीज के बाद अदिवि 2027 में किसी मेगा बजट प्रोजेक्ट संभवत: 'मेजर 2' पर भी काम शुरू कर सकते हैं।

बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है 'डकैत'

'डकैत' को सिर्फ एक एक्शन-रोमांस कहना इसके साथ नाइंसाफी होगी। यह बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर बुनी गई एक इमोशनल लव स्टोरी है, जिसकी संभावित टैगलाइन 'प्यार और बारूद के बीच की कहानी' बताई जा रही है। फिल्म में अदिवि एक ऐसे शख्स की भूमिका में हैं जो हालातों के चलते हथियार उठाने पर मजबूर होता है। उनका लुक सूटेड-बूटेड स्पाई इमेज से बिल्कुल अलग बढ़ी दाढ़ी, बिखरे बाल और खादी के कुर्ते वाला रखा गया है। वहीं मृणाल पारंपरिक एथनिक अंदाज में नजर आएंगी, लेकिन उनका किरदार महज प्रेमिका का नहीं, बल्कि कहानी की मजबूत कोर का है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं प्रधान संपादक- सुशील कुमार सिंह (मोबाइल न. 8077588101), एन-30 ऑफसेट रघुनाथपुर सेक्टर-22, नोएडा उत्तर प्रदेश से छपवाकर हाउस न.. - 52 , ग्रीनवुड -2 , सेक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, 201308 से प्रकाशित। (RNI No. UPHIN/2015/60949)
(समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र गौतमबुद्धनगर होगा) प्रकाशिक सामग्री या विज्ञापन में संपादक / प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की कार्यवाही या पूछताछ प्रकाशन तिथि से तीन माह के अंदर की जा सकती है। ई-मेल-noida.morningcity@gmail.com।